राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 02 जुलाई 2024 वर्ष–7,अंक–159 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

सीबीआई के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे केजरीवाल

नई दिल्ली । दिल्ली शराब कांड में तिहाड़ जेल में बंद अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने सीबीआई की गिरफ्तारी को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। बता दें कि बीते दिनों सीबीआई ने केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद केजरीवाल ने अपनी याचिका में सीबीआई की गिरफ्तारी को अवैध बताया है। साथ ही केजरीवाल ने दिल्ली की एक अदालत के 26 जून के आदेश को भी चुनौती दी है, इसमें उन्हें तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा गया था। केजरीवाल को शराब घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेजा। केजरीवाल को सीबीआई ने तीन दिन की हिरासत मेंपूछताछ के बाद अदालत में पेश किया था। सीबीआई ने केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का अनुरोध कर कहा कि ''जांच और न्याय के हित में'' उनकी हिरासत जरूरी है। सीबीआई की याचिका मंजूर कर विशेष न्यायाधीश सुनयना शर्मा ने कहा था कि केजरीवाल को 12 जुलाई को अदालत में पेश किया जाए।

केंद्रीय कर्मचारियों को फ्रीज किए गए डीए का पैसा जारी कर सकती मोदी सरकार

नई दिल्ली । देश के लाखों सरकारी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा मिल सकता है। कारोनाकाल में फ्रीज किए गए महंगाई भत्ते (डीए) के पैसे को मोदी सरकार अब जारी कर सकती है। महामारी की आपदा में साल 2020 से 2021 तक मोदी सरकार ने 18 महीने का डीए का पैसा फ्रीज किया था। इस लेकर कई बार कर्मचारी संगठनों ने मांग की, लेकिन इस बार उम्मीद जाहिर की गई हैं कि मोदी सरकार अपने कर्मचारियों को तोहफा दे सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस बार कर्मचारी संगठनों ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के साथ पीएम मोदी के पास भी अपनी सिफारिश भेजी है। इस बार 18 महीने के बकाया डीए के लिए केंद्रीय कर्मचारियों की संयुक्त सलाहकार मशीनरी राष्ट्रीय परिषद (कर्मचारी पक्ष) के सचिव शिव गोपाल मिश्र ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि कोरोनाकाल में सरकारी कर्मचारियों ने अपना दायित्व बखूबी निभाया और अब उन्हें रोके गए डीए का भुगतान होना चाहिए। केंद्र सरकार हर साल 2 बार महंगाई भत्ता बढ़ाती है। एक बार जनवरी में और दूसरा जुलाई में। 2020 में कोरोना महामारी की वजह से आर्थिक चुनौतियां आईं और तब तीन बार का डीए फ्रीज कर दिया गया था। इसके पहले जनवरी में भारतीय प्रतीक्ष मजदूर संघ के महासचिव मुकेश सिंह ने वित्तमंत्री सीतारमण को पत्र लिखकर जनवरी 2020 से जून 2021 के बीच फ्रीज किए गए 18 महीने के डीए को जारी करने का आग्रह किया था। उन्होंने मोदी सरकार से कोरोनाकाल के दौरान कर्मचारियों के योगदान और बलिदान की दुहाई भी दी थी।

लोनावाला में वॉटर फाल में बह गया पूरा परिवार, 3 की मौत....दो लापता

मुंबई । मुंबई से सटे लोनावाला में छुट्टियां मनाने गए पूरा परिवार खत्म हो लोनावला में छुटटी मनाने आए परिवार के 5 सदस्य वॉटर फाल में बह गए हैं। ये वॉटर फाल भूसी बांध के पीछे एक पहाड़ी पर बना हुआ था। इस घटना का एक दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें उस क्षण को कैद किया गया है जब सात लोगों का एक परिवार तेज धारा में बह गया था। मृतकों की पहचान शाहिस्ता लियाकत अंसारी (36), अमिमा आदिल अंसारी (13) और उमेरा आदिल अंसारी (8) के रूप में की है। साथ ही तेज बहाव में लापता हुए कुछ लोगों के शव जलाशय के एक किनारे से बरामद किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अदनान सभाहत अंसारी (4) और मारिया अकील अंसारी (9) अभी भी लापता हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अंसारी परिवार के सदस्य भुशी बांध के पास झरना देखने गए थे, लेकिन इलाके में भारी बारिश के कारण पानी का प्रवाह अचानक बढ़ गया और वे परिवार के 5 सदस्य बह गए। जिस परिवार के साथ यह हादसा हुआ है उसके रिश्तेदार का कहना है कि कुछ रिश्तेदार शादी के लिए मुंबई से आए थे। जो परिवार पानी में बहा है, वहां पुणे के सैय्यद नगर का रहने वाला है। इसकी जानकारी पुणे एसपी पंकज देशमुख ने दी है। पुलिस के मुताबिक, पर्यटक झरने में फिसल गए और नीचे की ओर जलाशय में डूब गए। झरने के बीच में खाने-पीने की दुकानें देखी गईं, जहां पर्यटक सुरक्षा को लेकर किसी भी चिंता से बेफिक्र दिखाई दिए थे। क्षेत्र में पर्यटकों को जाने से रोकने के लिए कोई सुरक्षा व्यवस्था भी नजर नहीं आई।

देश में तीन नए आपराधिक कानून लागू

आज से आईपीसी को भूल जाओ.....बीएनएस हुआ लागू

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

देश में 1 जुलाई 2024 से तीन नए आपराधिक कानून लागू हो गए हैं। अब आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), सीआरपीसी की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) लागू हो गया है। पिछले साल ही संसद में इन तीनों कानून बन गए थे। अब नए कानूनों के लागू होने के साथ ही औपनिवेशिक काल के कानूनों का अंत हो गया है। कई अपराध थे जिन्हें आईपीसी में पारिभाषित नहीं किया गया था। इसमें यह नहीं बताया गया था कि कौन से अपराध आतंकवाद की श्रेणी में आएंगे। नए कानून में भारत की एकता, अखंडता, संप्रभुता, सुरक्षा और आर्थिक सुरक्षा को खतरा पैदा करने को आतंकवाद की श्रेणी में रखा गया है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 113 में इसका वर्णन है। इसमें भारतीय मुद्रा की तस्करी शामिल होगी। आतंकवादी गतिविधियों के लिए उम्रकैद या फिर मौत की सजा भी हो सकती है। कानून के मुताबिक आतंकी साजिश रचने के लिए पांच साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। इसके अलावा आतंकी संगठन से जुड़ने पर उम्रकैद और जुर्माने का प्रावधान है। आतंकियों को छिपाने पर तीन साल से लेकर उम्रकैद की सजा होगी है। इसके अलावा जुर्माना भी लगाया जा सकता है। वहीं भारतीय न्याय संहिता में राजद्रोह को समाप्त किया गया है। वहीं भारत की एकता और अखंडता को खतरा पहुंचाने वाले कृत्यों को देशद्रोह में शामिल किया गया है। इसके लिए बीएनएस की धारा 152 लगाई जाएगी। वहीं आईपीसी में मॉब लिंचिंग का भी जिक्र नहीं था। अब नए कानून में अपराध के लिए उम्रकैद से लेकर मौत तक की सजा हो सकती है। इस बीएनएस की धारा 103 (2) में शामिल किया गया है।

बीएनएस में आईपीसी की कौन सी धाराएं बदली

हत्या के लिए आईपीसी में धारा 302 थी जो कि बीएनएस में धारा 101 हो गई है। हत्या का प्रयास का मुकदमा जो धारा 307 के तहत दर्ज होता था, अब धारा 109 के तहत दर्ज होगा। गैर इरादतन हत्या के लिए धारा 105 लागू होगी जो कि आईपीसी में धारा 304 थी। दहेज हत्या से जुड़ी धारा 80 होगी जो कि आईपीसी में धारा 304बी थी। चोरी के लिए अब धारा 303 में मुकदमा दर्ज किया जाएगा। आईपीसी के तहत धारा 379 में चोरी का मुकदमा दर्ज होता था। इस तरह रेप की धारा 376 से बदलकर अब 64 हो गई है। छेड़छाड़ का मुकदमा धारा 74 के तहत दर्ज होगा। धोखाधड़ी का केस धारा 420 की जगह अब 318 के तहत दर्ज होगा। लापरवाही से मौत का मामला धारा 106 के तहत आएगा जो कि पहले 304ए में आता था। आपराधिक षड्यंत्र के लिए धारा 120बी की जगह धारा 61 लागू होगी। मानहानि के लिए धारा 499, 500 की जगह अब 356 लागू होगी। लूट और डकैती के लिए क्रमशः धारा 309 और धारा 310 होगी।

अब दंड की जगह..... त्वरित सुनवाई होकर न्याय

तीनों कानूनों के लागू होने पर शाह

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशभर में नए आपराधिक कानून लागू होने के बीच कहा कि अब तीन नए कानूनों के कार्यान्यन के बाद दंड की जगह न्याय होगा और त्वरित सुनवाई होगी। केंद्रीय मंत्री शाह ने नए आपराधिक कानूनों के संबंध में कहा कि आजादी के 77 साल बाद आपराधिक न्याय प्रणाली स्वदेशी हो रही है और यह भारतीय लोकाचार के आधार पर चलेगी। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएनए) 2023 सोमवार से पूरे देश में प्रभावी हो गए। इन तीनों कानून ने ब्रिटिश कालीन कानूनों क्रमशः भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, तीनों आपराधिक न्याय कानूनों के कार्यान्वयन से सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली की स्थापना होगी। उन्होंने कहा कि इन कानूनों के लागू होने से दंड की जगह न्याय मिलेगा और देरी की जगह त्वरित न्याय होगा। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश कालीन पुरानी व्यवस्था में केवल पुलिस के अधिकार सुरक्षित थे, लेकिन अब पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं के अधिकार सुरक्षित होने जा रहे है। उन्होंने कहा कि इन तीनों आपराधिक न्याय कानूनों पर चार वर्ष से अधिक समय तक विचार-विमर्श हुआ है। उन्होंने उम्मीद जाहिर कि नए आपराधिक न्याय कानूनों के तहत दोषसिद्धि दर 90 प्रतिशत तक होगी और अपराधों में कमी आएगी। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने देश के सभी दलों से राजनीतिक से ऊपर उठकर आपराधिक न्याय कानूनों का समर्थन करने की अपील की और कहा कि यदि विपक्ष के किसी भी नेता को नए आपराधिक कानूनों को लेकर कोई चिंता है, तब वह उनसे मिलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि नई आपराधिक न्याय प्रणाली के बारे में 22.5 लाख से अधिक पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए 12,000 से अधिक 'मास्टर' प्रशिक्षक तैनात किए गए और नए कानून के तहत पहला केस ग्वालियर में रविवार रात 12 बजकर 10 मिनट पर बाइक चोरी का दर्ज किया गया।

खड़गे का आरोप, राष्ट्रपति के संबोधन में सिर्फ और सिर्फ सरकार की सराहना

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने टिप्पणी की कि संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के संबोधन में न कोई दिशा थी और न ही कोई दृष्टि और वह सिर्फ सरकार की सराहना के शब्दों से भरा था। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भाषण में दलित, अल्पसंख्यक वर्ग और पिछड़े वर्ग के लिए कुछ नहीं था। कांग्रेस नेता खड़गे ने कहा राष्ट्रपति संसद का सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं, हम राष्ट्रपति का सम्मान करते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इस साल राष्ट्रपति का पहला संबोधन जनवरी में और दूसरा जून में हुआ था। पहला संबोधन चुनाव के लिए था और दूसरा उसकी कॉपी थी। खरगे ने राज्यसभा के सभापति से अपील की कि संसद परिसर में महात्मा गांधी, बाबा साहेब आंबेडकर और अन्य नेताओं की प्रतिमाएं उनके मूल स्थानों पर पुनर्स्थापित कर दी जाएं।

खरगे ने कहा कि पिछले एक साल से मणिपुर दंगों की आग में जल रहा है लेकिन नारे देने में माहिर प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर नहीं गए। विपक्षी दल आम आदमी की बात करते हैं जबकि प्रधानमंत्री मोदी केवल 'मन की बात' करते हैं।

इसके पहले टी20 विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक खिताबी जीत पर राज्यसभा में भारतीय टीम को बधाई दी गई। राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने कहा कि उनकी उपलब्धि से पूरा देश गौरवान्वित हुआ है।

जेल में बंद बारामूला से लोकसभा चुनाव जीते इंजीनियर राशिद को मिली राहत

25 जुलाई को सांसद के रूप में शपथ लेने की एनआईए ने दी सहमति

नई दिल्ली। (एजेंसी)

एनआईए ने सोमवार को जेल में बंद कश्मीरी नेता और इंजीनियर शेख अब्दुल राशिद, को 25 जुलाई को सांसद के रूप में शपथ लेने के लिए सहमति दे दी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदरजीत सिंह कल यानी मंगलवार को इसका आदेश जारी करेंगे। जम्मू-कश्मीर के बारामूला क्षेत्र से लोकसभा चुनाव जीतने वाले अब्दुल राशिद जिन्हें 2017 के जम्मू-कश्मीर आतंकी फंडिंग मामले में गिरफ्तार किया गया है। राशिद ने लोकसभा में सांसद की शपथ लेने और अपने संसदीय कार्य करने के लिए अंतरिम जमानत की मांग अदालत से की थी। विशेष अदालत ने 22 जून को मामले को स्थगित कर दिया था और एनआईए को अपना जवाब पेश करने को कहा था। एनआईए के वकील ने कहा कि सहमति कुछ शर्तों के अधीन है, जिसमें मीडिया के साथ बातचीत न करना भी शामिल है। राशिद ने नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला को हराकर बारामूला से लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की है। राशिद को जम्मू-कश्मीर आतंकी फंडिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था। वर्तमान में वह तिहाड़ जेल में बंद हैं। इस मामले में राशिद की संलिप्तता कश्मीरी व्यापारी जहूर वताली की जांच के दौरान सामने आई थी, जिसे

एनआईए ने आतंकवादी समूहों और कश्मीरी अलगाववादियों को फडिंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। एनआईए ने अपनी चार्जशीट में जिन नामों को शामिल किया है उनमें यासीन मलिक, लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद और हिजबुल मुजाहिदीन प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन शामिल हैं।

माइक का रिमोट आसन के पास नहीं होता है: ओम बिरला

राहुल गांधी का माइक बंद के लगे आरोप पर नाराज हुए स्पीकर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जब सदन में अपनी बात कहते हैं तो माइक बंद कर दिया जाता है? ये आरोपी कांग्रेस अक्सर लगाती है। विगत दिवस लोकसभा की पिछली कार्यवाही के दौरान गौरव गोगोई और दीपेंद्र हुड्डा ने यह मुद्दा उठाया। कांग्रेस के इन आरोपों पर अब लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने विपक्षी सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि बाहर आरोप लगाते हैं कि पीठासीन अधिकारी माइक बंद कर देते हैं। आपको कई साल हो गए हैं और अनुभव भी है। आप पुराने सदन में थे और नए सदन में भी हैं। आपको पता होगा कि माइक का रिमोट आसन के पास नहीं होता है, चाहे किसी भी दल का सदस्य हो। इसलिए इस तरह का आरोप नहीं हैं। स्पीकर ओम बिरला ने इसके बाद कांग्रेस सांसद के. सुरेश का भी जिक्र करते हुए कहा, कि सुरेश जी भी यहां बैठते हैं, लेकिन उनसे पूछे कि वहां कोई माइक का कंट्रोल है क्या? इसके बाद उन्होंने खुद उनसे पूछ लिया कि स्पीकर के आसन के पास कोई बटन होता है क्या?

इस पर सुरेश ने इनकार किया तो फिर बिरला ने कहा कि देखो कोई बटन नहीं है। आसान से सिर्फ व्यवस्था दी जाती है। हम माइक बंद नहीं करते हैं। दरअसल इससे पहले कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि लोकसभा में नीट पेपर लीक पर चर्चा की मांग को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का माइक बंद कर दिया गया था। कांग्रेस ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा-जहां एक ओर नरेंद्र मोदी नीट पर कुछ नहीं बोल रहे हैं, उस वक्त विपक्ष के नेता राहुल गांधी युवाओं की आवाज सदन में उठा रहे हैं लेकिन, ऐसे गंभीर मुद्दे पर माइक बंद करने जैसी ओछी हरकत करके युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

पीएम मोदी के रुस दौरे से पहले उठी मास्को में भव्य मंदिर बनाने की मांग

प्रधानमंत्री 8 जुलाई को रूस के दौरे पर, राष्ट्रपति पुतिन से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली । (एजेंसी)

रुस और यूक्रेन जंग के बीच पीएम नरेंद्र मोदी 8 जुलाई को रूस के दौरे पर जा रहे हैं। पीएम वहां राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत करेंगे। पीएम मोदी के इस दौरे को भारत-रूस संबंधों को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

इस बीच वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों ने मांग की है कि वह मास्को में एक हिन्दू मंदिर बनाना चाहते हैं। भारत और नेपाल में हिन्दू आबादी बहुसंख्यक है। रुस में बहुसंख्यक आबादी ईसाई की होने के बावजूद कुछ जगहों पर छोटे मंदिर बनाए गए हैं, लेकिन यह मुख्य रूप से सामुदायिक केंद्र की तरह ही काम करते हैं। ऐसे में अब राजधानी मॉस्को में मंदिर बनाने की मांग तेज़ होने लगी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी के रूस दौरे से पहले वहां इंडियन बिजनेस अलायंस और इंडियन नेशनल कल्चरल सेंटर ने भव्य हिन्दू मंदिर बनाने को लेकर बैठक की। इस समूह के अध्यक्ष ने कहा कि मॉस्को में बनने वाला ये हिंदू मंदिर न केवल भारतीयों के लिए एकता और आकर्षण का केंद्र बनेगा, बल्कि भारत-रूस के बीच मजबूत संबंधों का प्रतीक भी बनेगा। इससे पहले पीएम मोदी ने इस साल 14 फरवरी को संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया था। यह मंदिर यूएई द्वारा दी जमीन पर बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्थान ने बनाया था। यह मंदिर भले ही हिंदू धर्म का है, लेकिन इसमें मुस्लिम, जैन और बौध धर्म के लोगों का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

27 एकड़ जमीन में फैले इस मंदिर के लिए यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद जायद अल नाह्यान ने जमीन दान में दी थी। जो करीब 700 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है।

इस मंदिर के मुख्य आर्किटेक्ट ईसाई थे, जब इस प्रोजेक्ट के मैनेजर सिख समुदाय, डिजाइनर बौद्ध थे. इस मंदिर को बनाने वाली कंपनी पारसी की थी, जिसके डायरेक्टर जैन समुदाय से थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रोजगार, किसान, गांव और मध्यम वर्ग पर फोकस हो बजट

डॉ. उमेश प्रताप सिंह

मध्यवर्ग को राहत देने के क्रम में सरकार को दो और प्रमुख बातों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। प्रथम, वेतन भोगी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन की बहाली या पेंशन व्यवस्था में सुधार और द्वितीय, आठवां वेतन आयोग का गठन। यह न सिर्फ वेतनभोगी वर्ग की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए बल्कि अर्थव्यवस्था में उपभोग और आर्थिक समृद्धि को गति देने के लिए आवश्यक है।

बजट सरकार के वित्त का सबसे विस्तृत ब्यौरा होता है जिसमें सभी स्रोतों से प्राप्त राजस्व और सभी मदों पर किया गया व्यय सम्मिलित होता है। आय-व्यय के विवरण सरकार के समष्टिभावी आर्थिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के हिसाब से तैयार किये जाते हैं। इसलिए बजट सरकारी नीतियों की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण होता है। बजट के पहले भाग में सामान्य आर्थिक सर्वेक्षण और नीतियों का ब्यौरा होता है और दूसरे भाग में आगामी वित्त वर्ष के लिए प्रत्यक्ष और परोक्ष करों के प्रस्ताव रखे जाते हैं। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) आने के बाद अप्रत्यक्ष करों के संदर्भ में निर्णय जीएसटी काउंसिल ही लेती है।इसलिए अब आम लोगों के लिए बजट की उत्सुकता पहले की अपेक्षा कम हो गई है। हाँ, जो लोग प्रत्यक्ष कर दे रहे हैं, उनके लिए अवश्य इसकी उत्सुकता अधिक होती है। सरकार के व्यय करने के कार्यक्रमों और नीतियों के सन्दर्भ में भी अब जनता अधिक जागरूक है।

उच्च संवृद्धि, तेजी से बढ़ता विनिर्माण क्षेत्र, नियंत्रित मुद्रास्फीति और बजट अनुमानों की तुलना में राजकोषीय घाटे में कमी से लगता है कि इस समय देश में आर्थिक हालात अच्छे हैं। हालांकि रुपये का थोड़ा सा अवमूल्यन हुआ है और भुगतान संतुलन का चालू खाता घाटा जीडीपी का लगभग 0.7% है। परन्तु विदेशी मुद्रा भंडार 665.8 बिलियन डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। तो फिर बजट में मोदी सरकार के सामने चुनौती इस विकास को बनाए रखने और मुद्रास्फीति, विशेष रूप से खाद्य मुद्रास्फीति और बेरोजगारी के मुद्दे को संबोधित करने की है।

स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी सेवाएं दोगुना खचीर्ली हो गई हैं जिनसे हरेक व्यक्ति प्रभावित हो रहा है। परन्तु आधिकारिक मुद्रास्फीति दर 5 प्रतिशत से भी कम है। ग्रामीण क्षेत्रों में आय नहीं बढ़ रही है। बजट में अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त अलग से रोजगार सृजित करने वाले क्षेत्रों एवं व्यवसायों पर विशेष रूप से फोकस करना चाहिए। 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' में सुधार भले हुआ हो, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण से भ्रष्टाचार कम होने का दावा भले ही किया जा रहो, परन्तु जमीनी वास्तविकता यह है कि सुगमता एवं स्वतंत्रता के साथ व्यवसाय करने की जद्दोजहद कम नहीं हुई है, राज्य एवं जिला स्तरों पर भ्रष्टाचार बढ़ गया है और लगातार बढ़ती अफसरशाही ने इन्स्पेक्टर राज को मजबूत किया है।

बजट में कर में छूट और सामाजिक व्यय में वृद्धि की उम्मीद है। पिछले बजटों में पूंजीगत व्यय पर ध्यान केंद्रित

किया गया, जिससे जीडीपी को बढ़ावा मिला। परन्तु पूंजीगत व्यय रोजगार पैदा करने और आय बढ़ाने में सक्षम नहीं रहा है इसीलिए उपभोग व्यय में कमी आयी। सरकार ने जिस प्रकार से विभिन्न मंत्रालयों का बंटवारा किया है और पुरानी नीतियों को जारी रखने का संकेत दिया है उससे नीतियों में बजट के दौरान बहुत बदलाव की संभावना नहीं है। आशा है कि सरकार राजकोषीय संतुलन को साधते हुए पूंजीगत व्यय में कोई कमी नहीं लाएगी, क्योंकि अर्थव्यवस्था में आर्थिक समृद्धि को तेज करने के लिए यह आवश्यक है। साथ ही उन क्षेत्रों और उद्योगों में निवेश बढ़ाने पर अधिक फोकस करेगी जहाँ रोजगार सृजन की संभावना अधिक है।

रोजगार और आय बढ़ाने के ठोस उपायों की आवश्यकता

पिछले कुछ वर्षों में राजकोषीय नीति के दो मुख्य उद्देश्य रहे हैं, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में निवेश करके पूंजी निर्माण में वृद्धि करना और राजकोषीय घाटे को वित्त वर्ष 2021-22 में सकल घरेलू उत्पाद के 6.8 प्रतिशत से घटाकर वित्त वर्ष 2025-26 तक 4.5 प्रतिशत करना है।सरकार ने पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर और विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों पर व्यय को कम करके अपने व्यय करने की प्रवृति में थोड़ा बदलाव किया। समग्र बजट में पूंजीगत व्यय का हिस्सा कोरोना काल के लगभग 12 प्रतिशत से बढ़कर अब 23 प्रतिशत से अधिक हो गया है। केंद्र सरकार के लिए सकल घरेलू उत्पाद के लिए पूंजीगत व्यय का अनुपात वित्त वर्ष 2019-20 में 1.7 प्रतिशत से वित्त वर्ष 2023 -24 में लगातार बढ़कर 3.2 प्रतिशत हो गया। सापेक्षिक रूप से, खाद्य सब्सिडी, मनरेगा, और पीएम किसान जैसे कुछ प्रत्यक्ष कल्याण कार्यक्रमों के लिए आवंटित धन 1.7 प्रतिशत से घटकर जीडीपी का 1.2 प्रतिशत हो गया।

इन वर्षों में, पूंजी निर्माण तेजी से बढ़ा है -वित्त वर्ष 2019-20 और वित्त वर्ष 2023 -24 के बीच इसमें 29.5 प्रतिशत की संचयी वृद्धि हुई। इसी अवधि के दौरान, उपभोग, जो अर्थव्यवस्था का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा है,में केवल 17.5 प्रतिशत की संचयी वृद्धि ही हुई। अर्थव्यवस्था के विभिन्न वर्गों से उपभोग की मांग के बीच गंभीर विरोधाभास के भी प्रमाण हैं। आर्थिक रूप से मजबूत वर्ग ने विभिन्न प्रीमियम वस्तुओं और सेवाओं की मजबूत मांग दिखाई है, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की मांग अभी तक कोविड के झटके से उबर नहीं पाई है। पूंजी निर्माण और निर्माण गतिविधि में विस्तार रोजगार पैदा करने के बजाय अधिक पूंजी और प्रौद्योगिकी संचालित रहा है। पूंजीगत व्यय के लिए सरकार के लगातार दबाव के बावजूद, उपभोग और मांग में मजबूत वृद्धि नहीं होने के कारण निजी निवेश में कोई भी सार्थक वृद्धि नहीं हो रही है।

इसलिए,बजट में मांग को बढ़ावा देने के लिए सरकारी व्यय के पुनः आवंटन की एक उचित नीति की आवश्यकता है। चुनाव में झटका खायी मोदी सरकार द्वारा इसीलिए अगले बजट में आवास, ग्रामीण सड़कें, आजीविका बढ़ाने आदि जैसे कार्यक्रमों के लिए अधिक धन आवंटित किया जा सकता है या मांग को बढ़ावा देने के लिए घरेलू क्षेत्र पर करों में छूट दी जा सकती है, जो आवश्यक भी है।

रोजगार पर फोकस

चुनाव का सन्देश बड़ा स्पष्ट है कि जब तक आर्थिक संमृद्धि का लाभ समाज के निचले वर्ग के वंचितों और बेरोजगारों तक नहीं पहुंचता है तब तक वे भारत के सिर्फ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने को लेकर संतुष्ट नहीं हो सकते। बल्कि उनके लिए रोजगार के अवसरों के लिए सरकार को प्रयास करना ही होगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उनकी वास्तविक आय में लगातार वृद्धि हो। आर्थिक वृद्धि के साथ तेज गति से उत्पादक रोजगार तैयार करने पर बजट को फोकस करना चाहिए। रोजगार में वृद्धि कार्यकारी आयु के लोगों में वृद्धि की दर से अधिक होनी चाहिए।

रोजगार सृजन के लिए सिर्फ आर्थिक संवृद्धि पर निर्भर रहने की जगह तेज रोजगार सृजन के द्वारा आर्थिक संवृद्धि तेज करने की रणनीति पर चलना होगा। सरकार पहले ही निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए जीडीपी के तीन प्रतिशत के बराबर पूंजीगत व्यय कर रही है, अब बेहतर कारोबारी वातावरण तैयार करने और निजी निवेश को प्रोत्साहित करने पर ध्यान देना चाहिए।भौतिक और डिजिटल अधोसंरचना में सुधार तथा ई-कॉमर्स एवं डिजिटल भुगतान प्रणालियों के तेजी से विस्तार का उपयोग करके अधिक रोजगार सृजन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

मध्य वर्ग को कर में राहत आवश्यक

सापेक्षिक रूप से देखा जाए तो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों को मिलाकर मध्य वर्ग पर करों का भार सबसे अधिक है। हाल के वर्षों में व्यक्तिगत आयकरदाता के लिए वास्तविक कर भार में बढ़ोत्तरी हुई है। इस समय आय कर का योगदान निगम कर से अधिक हो गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में शुद्ध निगम कर 9.11 लाख करोड़ रुपये था, जबकि शुद्ध आयकर 10.44 लाख करोड़ रुपये था। इसीलिए आय कर में छूट की अपेक्षा कई वर्ष से की जा रही है। 5 लाख से 20 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले करदाताओं को राहत देने की आवश्यकता है। अभी ये लोग 5 लाख से 15 लाख तक 5 से 20 प्रतिशत की कर दर और 15 लाख से ऊपर आय वाले करदाता 30 प्रतिशत की कर दर का सामना कर रहे हैं। वेतनभोगी वर्ग के लिए उनके वेतन और ग्रैच्युटी पर आयकर छूट की अधिकतम सीमा को पर्याप्त रूप से बढ़ाना चाहिए। सरकारी कर्मचारियों के लिए मानक कटौती की राशि को बढाकर एक लाख रुपए कर देना चाहिए।....

संपादकीय

विश्व चैंपियन इंडिया

भारत ने टी-20 विश्व कप चैंपियन बनकर आईसीसी ट्रॉफियों से लंबे समय से चली आ रही दूरी को आखिरकार, खत्म कर दिया। भारत ने आखिरी बार आईसीसी ट्रॉफी 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी के तौर पर जीती थी। यहां तक विश्व कप की बात है तो 2011 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में वनडे विश्व कप में चैंपियन बना था। इसके बाद करीब 13 साल के समय में भारतीय टीम कई बार नई ऊंचाइयां छूती नजर आई पर आखिरी समय में लड़खड़ा गई और ट्रॉफी से उसकी दूरी बनी रही। पिछले साल वनडे विश्व कप और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में हमें इस तरह की स्थिति का ही सामना करना पड़ा। वनडे विश्व कप के फाइनल में हारने के बाद तो टी-20 में रोहित की कप्तानी पर भी सवाल उठने लगे थे। पर बीसीसीआई ने करीब सात महीने पहले रोहित को ही कप्तान बनाने का फैसला किया। इसी दौरान अजित अगरकर भी मुख्य चयनकर्ता बन गए। इस तिकड़ी के बीच बेहतर रिश्तों ने टीम को चैंपियन टीम में बदल दिया। द्रविड़ और रोहित की कोच और कप्तान की जोड़ी ने टी-20 को उसके ही अंदाज में खेलने का फैसला किया। इस विश्व कप के दौरान मुश्किल हालात में भी आक्रामक अंदाज से खेलने की सोच साफ दिखी। इस विश्व कप के फाइनल के हीरो विराट कोहली को ही लें। वह आम तौर पर विकेट पर थोड़ा रुक कर धीरे-धीरे गियर बदलने के लिए जाने जाते हैं पर पहली ही गेंद से आक्रामक रुख अपनाने के फैसले के बाद वह इसमें ज्यादातर मैचों में बड़ा स्कोर बनाने में सफल नहीं हुए। विराट के रोहित के साथ पारी शुरू करने की आलोचना भी हुई पर टीम प्रबंधन इन आलोचनाओं से प्रभावित हुए बगैर अपनी योजना पर आगे बढ़ता रहा। भारत की इस सफलता की खूबी किसी एक खिलाड़ी का प्रदर्शन नहीं रहा। भारत के चैंपियन बनने में जितनी अहमियत विराट की पारी की है, उतनी ही अहमियत अक्षर पटेल की पारी की भी है। बुमराह, अर्शदीप और हार्दिक पांड?ा की गेंदबाजी भी चैंपियन बनाने में अहम रही। सूर्यकुमार यादव का बाउंड्री लाइन पर आखिरी ओवर में डेविड मिलर का लपका शानदार कैच भी खास रहा। सही मायनों में द्रविड़ और रोहित द्वारा टीम को एक सूत्र में पिरोने का यह कमाल है पर द्रविड़ का कोच के तौर पर कार्यकाल खत्म होने, रोहित और विराट द्वारा अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा के बाद अब आने वाले कोच की जिम्मेदारी होगी कि वह इस तरह जिम्मेदारी निभाने वाली यंग ब्रिगेड को तैयार करे।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं- आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं।

किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रह्मसंहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं। जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

पेपर लीक, व्यवस्था वीक!

सोनम लववंशी

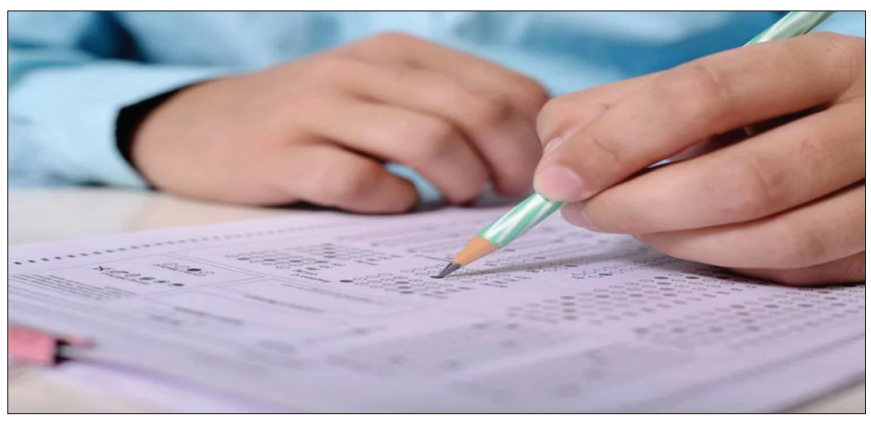

जो ड़-तोड़ की सरकार अब भरोसे के लायक भी नहीं बची है। युवाओं के साथ खेल इस तरह से खेला जा रहा है कि परीक्षार्थी अब सुनहरे सपने के बजाय आजादी के अमृत काल में विषपान को विवश हो रहे हैं। दुर्दांत अपराधी हैं, जो युवाओं के वर्तमान और भविष्य के साथ खेल रहे हैं, लेकिन उस रहनुमाई व्यवस्था को लेकर क्या कहा जाए जो दावा तो आजादी के अमृतकाल और अच्छे दिनों का करती है? ऐसे में कहां गए उसके वो दावे और वादे, जिसकी बिसात पर सत्ता की मद में आमद होकर सियासतदानों ने एक दशक के करीब करोड़ों-अरबों रुपए बना लिए, लेकिन युवाओं को मिला तो सिर्फ खोखले वादे और पेपर लीक वाली सरकारी व्यवस्था! पेपर लीक किसी एक सरकार में उपजी कोई फौरी समस्या नहीं है, लेकिन बनी-बनाई व्यवस्था की धज्जियाँ उड़ाने का काम आजादी के अमृतकाल के नाम पर हो, तो शोक सभा व्यवस्था और व्यवस्थापक दोनों के नाम पर होना चाहिए। शब्दों का मायाजाल थोड़ा चुभने वाला हो सकता है, लेकिन परीक्षा का जो भ्रमजाल बनाकर युवाओं का भविष्य, उनका वर्तमान, उनका समय और उनका परीक्षा फॉर्म के नाम पर पैसा बर्बाद किया जा रहा उससे कहीं कम है सरकारी तंत्र के लिए इन शब्दों की चुभन। दर्द जब बेइंतहा उठने लगें तो उसकी वेदना में सरकार और उसका सरकारी तंत्र दोनों बेईमानी लगता है।

वर्तमान समय का आलम कुछ यूं ही है। सरकारी तंत्र ने नेट की परीक्षा रद्द करने का एक फरमान जारी किया है। वह भी आजादी के अमृतकाल वाले लैटर हैड पर। अब जरा सोचिए आजादी का ये कैसा अमृत महोत्सव है? जहां युवाओं को पिलाया जहर का घूंट जा रहा। निःसन्देह युवाओं की वेदना, पीड़ा और रुदन किसी विष का पान करने से कम नहीं है। पहले नीट की परीक्षा में धांधली और अब नेट की परीक्षा रद्द। उसके बाद लगातार राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं जैसे सीआईएसआर नेट का स्थगित होना। ये साबित करता है कि देश में सरकारी पात्रता परीक्षाओं का हाल ऐसा है, जैसे किसी मुहल्ले के स्कूल की परीक्षा। सच पूछिए तो इतनी धांधली तो राज्यस्तरीय परीक्षाओं में नहीं होती। जितना अब राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में धांधली हो रही है। नीट परीक्षा का आलम यह हुआ कि औने-पौने हिसाब से नंबर बांट दिया गया। नीट परीक्षा में नंबर इस तरह से प्रसाद में बांटे गए जैसे किसी सत्यनारायण कथा के बाद प्रसाद। वैसे महंगाई के इस दौर में प्रसाद भी सोच-समझकर बांटा और बनवाया जाता है, लेकिन एक हमारे देश की शिक्षा-व्यवस्था है। जहां सोच-समझकर लगता है कोई काम नहीं हो रहा। परीक्षा फॉर्म के नाम पर करोड़ों-अरबों रुपए बार-बार वसूले जाते हैं। साल-दो साल के भीतर परीक्षा फॉर्म के लिए लगने वाली फीस बढ़ा दी जाती है, लेकिन युवाओं के जीवन में परीक्षा के बाद कोई सार्थक परिवर्तन देखने को नहीं मिलता। तभी तो युवाओं का भविष्य अंधकार में है और मजबूत और सुरक्षित हाथों में जिसके देश की सरकार है। वो नेट जैसी परीक्षा को रद्द करवाकर जांच सीबीआई को सौंपकर ही भारत माता भाग्य विधाता की धुन में मदमस्त है।

राजस्थान, मध्यप्रदेश जैसे तमाम राज्य हैं। जहां की प्रादेशिक परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक जैसी समस्याएं आम बात रही हैं, लेकिन अब राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएं और एनटीए जैसा बड़ा संगठन अगर परीक्षाएं बेहतर तरीके से नहीं करवा पा रहा है तो उसकी प्रसांगिकता पर सवाल उठना लाजिमी है। वैसे भी नेट की परीक्षा केवल सरकारी खजाना भरने के अलावा ज्यादा महत्व रखता नहीं, क्योंकि हर छह महीने में 10 लाख के करीब अभियार्थी फॉर्म भरते हैं और परीक्षा के बाद का लब्बोलुआब सिर्फ एक सर्टिफिकेट होता है। जिसके बाद न तो पीएचडी में एडमिशन मिलता और न ही अस्सिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति। ऐसे में रहनुमाई व्यवस्था और उनके सिपह-सालारों से सवाल यही है कि क्या उनके बच्चों के भविष्य के साथ ऐसे खिलवाड़ होता तो उनके आंखों का पानी मरा रह पाता? सवाल बहुतेरे हैं, लेकिन जवाब देने से अब सत्ता और सत्ताधीश डरते नहीं या देना चाहते नहीं हैं। तभी तो कई मर्तबा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर भी सवाल उठता है। वैसे अब बात सिर्फ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं, जीवन जीने की स्वतंत्रता और जीवन में सफल होने की चुनौती बहुत बड़ी हो चली है, क्योंकि सरकारी नौकरी ही आज की सामाजिक व्यवस्था में सर्वस्वीकार्य है और उसके लिए आयोजित परीक्षाएं ही धांधली की शिकार है। सियासतदां, युवाओं का दर्द समझ नहीं सकते, क्योंकि उनके बच्चें या तो बड़े राजनीतिक पद पर है या बिजनेस में हैं। वरना विदेश में नेताजी की कमाई से उच्च गुणवत्ता की शिक्षा अर्जित कर रहे हैं। ऐसे में एक कहावत याद आती है कि, जाके पाँव न फटी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई!

हेमंत सोरेन की जमानत ने झामुमो में जगाई नयी आस

गत पांच माहों से जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट ने नियमित जमानत दे दी है। झारखंड हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत देते हुए जो टिप्पणियां की हैं उनसे हेमंत सोरेन को जनता के बीच एक बार फिर से सिर उठाकर जाने की ताकत मिल गई है। हाईकोर्ट ने कहा है कि पूरे केस से पता चलता है कि प्रार्थी विशेष रूप से अथवा अप्रत्यक्ष रूप से 8.86 एकड़ भूमि के अधिग्रहण और कब्जे के साथ साथ ₹अपराध की आय₹ से जुड़े होने में शामिल नहीं है। किसी भी रजिस्टर अथवा राजस्व रिकॉर्ड में उक्त भूमि के अधिग्रहण और कब्जे में प्रार्थी की प्रत्यक्ष भागीदारी का कोई संकेत नहीं है। हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय के इस दावे को स्वीकार नहीं किया कि उसकी समय पर की गई कार्रवाई ने अभिलेखों में हेराफेरी और जालसजी करके भूमि के अवैध अधिग्रहण को रोका है। झारखंड हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा कि प्रार्थी को जमानत देने से कोई हानि नहीं होने वाली है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं ने जमानत पर पूर्व मुख्यमंत्री की रिहाई को सत्य की जीत बताया है।

हाईकोर्ट के इस फैसले से झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और कार्यकर्ता बेहद उत्साहित हैं क्योंकि अब यह सुनिश्चित माना जा रहा है कि इसी साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा के चुनाव अभियान का नेतृत्व हेमंत सोरेन ही करेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं कि हेमंत सोरेन राज्य में पार्टी का सबसे लोकप्रिय चेहरा रहे हैं। अब उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी राज्य की गांगेय विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में जीत कर विधायक बन चुकी हैं। निःसंदेह उनकी जीत में हेमंत सोरेन की लोकप्रियता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। गौरतलब है कि कल्पना

सोरेन ने इसी साल जनवरी में हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किए जाने के बाद राजनीति में प्रवेश करने का फैसला किया था। गांगेय विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव में उनकी जीत से यह संदेश मिलता है कि झारखंड की जनता और पार्टी कार्यकर्ता राजनीति में उनके प्रवेश के फैसले की आतुरता से प्रतीक्षा कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि कल्पना सोरेन उच्च शिक्षित महिला हैं और विगत 5 माहों में झारखंड की राजनीति में उनका कद तेजी से बढ़ा है। हेमंत सोरेन के जेल में रहने के दौरान कल्पना सोरेन ने न केवल झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकताओं का मनोबल बनाए रखा बल्कि उन्होंने विपक्षी इंडिया गठबंधन की रैलियों में विरोधी दलों के नेताओं के साथ मंच भी साझा किया। चुनावी रैलियों में मर्यादित भाषा में संवाद अदायगी की उनकी प्रभावी शैली से विरोधी दलों के नेताओं और आम जनता के बीच जगह बनाने में उन्हें पर्याप्त सफलता मिली। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राजनीति में उनकी सक्रियता से झारखंड में पार्टी का जनाधार बढ़ना तय है। वे हेमंत सोरेन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं और उन्हें हर जगह अपनी प्रभावी उपस्थिति का अहसास कराने में सफलता मिल रही है। जमानत पर हेमंत सोरेन की रिहाई के बाद अब यह सवाल उठना लाज़िमी है कि क्या उनके मन में वर्तमान मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन से कुर्सी खाली करा कर पुनः मुख्यमंत्री पद पर आसीन होने की महत्वाकांक्षा जाग सकती है। अभी ऐसे कोई आसार नहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन से उनके परिवारिक संबंध हैं और इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है कि चंपई सोरेन आगे भी पूरी तरह से हेमंत सोरेन के प्रति वफादार बने रहेंगे।

ऐसा माना जा रहा है कि पुनः मुख्यमंत्री पद की बागडोर संभालने के बजाय हेमंत सोरेन इसी साल होने वाले झारखंड विधानसभा के चुनावों में पार्टी की विजय सुनिश्चित करने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्हें जमानत पर रिहा करते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने जो टिप्पणियां की हैं वे उनका मनोबल बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगी। यद्यपि झारखंड हाईकोर्ट ने उन्हें केवल नियमित जमानत पर रिहा किया है परन्तु अब वे जनता को यही भरोसा दिलाने की पुरजोर कोशिश करेंगे कि वे पूरी तरह निर्दोष हैं। भाजपा को भी इस सच्चाई का अहसास है कि इसी साल होने वाले विधानसभा चुनावों में जब झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रचार अभियान की बागडोर हेमंत सोरेन के पास होगी तो वे पहले से अधिक आक्रामक नजर आएंगे। हेमंत सोरेन यह मानकर चल रहे हैं कि जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद जनता उन्हें एक विजेता के रूप में देख रही है इसलिए इसका फायदा उनकी पार्टी को निश्चित रूप से आगामी विधानसभा चुनावों में मिलेगा। पांच माह की जेल यात्रा के दौरान जनता के बीच अपने लिए पनपी सहानुभूति को देखते हुए हेमंत सोरेन आगामी विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन से अपनी पार्टी के लिए पहले से अधिक सीटों की मांग भी कर सकते हैं। उधर भाजपा का यह मानना है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार गत पांच सालों में जनता से किए गए वादों को पूरा करने में बुरी तरह नाकामयाब रही है। हेमंत सोरेन अब जब जनता के बीच जाएंगे तब जनता पहले उन्हें उनके झूठे वादों की याद दिलाएगी। भाजपा यह भी मानती है कि चम्पई सोरेन के मुख्यमंत्री बन जाने के बाद राज्य में सत्ता के दो केंद्र बन गए हैं। इससे पार्टी में वर्चस्व की लड़ाई और तेज होगी जिसका फायदा भाजपा को मिलेगा। भाजपा को पूरा भरोसा है कि झारखंड की जनता बदलाव चाहती है और आगामी विधानसभा इसी बदलाव का संदेश लेकर आ रहे हैं।

-कृष्णमोहन झा

हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी निवा बूपा ने 3,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए जमा कराए ड्राफ्ट पेपर

मुंबई । देश की बड़ी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों में से एक निवा बूपा की ओर से सोमवार को 3,000 करोड़ रुपये के इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास जमा करा दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस का आईपीओ फ्रेश इश्यू और ओएफएस का मिश्रण होगा। इसमें 800 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 2,200 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) होगा। इस ओएफएस में कंपनी के मौजूदा शेयरधारक भाग लेंगे। ओएफएस के तहत 320 करोड़ रुपये के शेयर बूपा सिंगापुर होल्डिंग्स पीटीई और 1,880 करोड़ रुपये के शेयर फेटल टोन एलएलपी की ओर से बेचे जाएंगे। बूपा सिंगापुर होल्डिंग्स की कंपनी में 62.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि फेटल टोन एलएलपी की 27.86 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रिपोर्ट्स में बताया गया कि मॉर्गन स्टेनली इंडिया, कोटक महिंद्रा कैपिटल, एक्सिस कैपिटल, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और एचडीएफसी बैंक को कंपनी की ओर से हायर किया गया है। निवा बूपा दूसरी स्टैंड-अलोन हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी होगी, जो कि भारतीय स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होने वाली है। पिछले वर्ष सितंबर में निजी प्राइवेट इक्विटी फर्म ट्रू नॉर्थ ने निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस में अपनी 20 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,700 करोड़ रुपये में पार्टनर कंपनी बूपा को 13,500 करोड़ रुपये के वैल्यूएशन पर बेच दी थी।

अब यूपी के चार एक्सप्रेस-वे पर मिलेगी ई-व्हीकल चार्जिंग की सुविधा

अडाणी टोटल एनर्जी ई-मोबिलिटी लिमिटेड को सौंपी निर्माण की जिम्मेदारी

लखनऊ। यूपी की योगी आदित्यनाथ की सरकार ईवी को प्रमोट कर रही है। ईवी की संख्या में इजाफा को देखते हुए चार्जिंग स्टेशनों को लेकर भी सरकार गंभीर है। अब यूपी के एक्सप्रेस-वे पर ई-व्हीकल के लिए चार्जिंग सुविधाओं को बढ़ा जा रहा है। प्रदेश के चार प्रमुख एक्सप्रेस-वे पर चार्जिंग स्टेशन बनाने की योजना बनाई है। यूपी के आगरा-लखनऊ एक सप्रेस-वे, पूर्वांचल एक सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक सप्रेस-वे और गोरखपुर लिंक एक सप्रेस-वे पर 26 चार्जिंग स्टेशन बनाने की योजना है। यूपी ईवी पॉलिसी 2022 के तहत प्रदेश के प्रमुख एक्सप्रेस-वे पर नए चार्जिंग स्टेशनों को स्थापित किया जा रहा है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक सप्रेस-वे और गोरखपुर लिंक एक सप्रेस-वे पर 14 जनसुविधा परिसरों का भी निर्माण किया जाएगा जिससे यहां से गुजरने वाले वाहनों को राहत मिलेगी। साथ ही, ईवी बसों को भी लंबी दूरी के मार्गों पर चलाया जाएगा। इससे परंपरागत इंधन पर निर्भरता को कम किया जा सकेगा। यूपी के चार प्रमुख एक्सप्रेस-वे पर चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर आठ नए चार्जिंग स्टेशन बनेंगे। वहीं 341 किलोमीटर लंबे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और 296 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर भी 8-8 नए चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। 91 किलोमीटर लंबे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर दो ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने की योजना है। एक्सप्रेस-वे पर ईवी चार्जिंग स्टेशनों के निर्माण के लिए एजेंसी का चयन कर लिया है। मेसर्स अडाणी टोटल एनर्जी ई-मोबिलिटी लिमिटेड को निर्माण की जिम्मेदारी दी गई है। वाहनों के चार्जिंग के रेट को भी जल्द तय किया जाएगा। इसके अलावा चारों एक्सप्रेस-वे पर 14 जनसुविधा केंद्रों के निर्माण का कार्य किया जा रहा है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर दो जनसुविधा परिसर का पीपीपी मॉडल पर विकास के लिए भारत पेट्रोलियम लिमिटेड का चयन किया गया है। अन्य 12 परिसरों का विकास ईपीसी मॉडल पर यूपीडा की ओर से कराया जाना है।

इस हफ्ते खुलेंगे 2,700 करोड़ रुपये के आईपीओ, दो कंपनियों की लिस्टिंग

मुंबई :

आईपीओ बाजार में तेजी बनी हुई है। एक के बाद एक कंपनियां अपना आईपीओ लेकर आ रही हैं। इस हफ्ते मेनबोर्ड कैटेगरी में एमक्योर फार्मास्युटिकल्स और बंसल वायर इंडस्ट्रीज का इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) आ रहा है। एमक्योर फार्मास्युटिकल्स का आईपीओ 3 जुलाई को आम जनता के लिए खुलेगा। इस आईपीओ के जरिए कंपनी करीब 1,952 करोड़ रुपये जुटाएगी। यह आईपीओ फ्रेश इश्यू और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का मिश्रण होगा। इस आईपीओ में 800 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 1,152 करोड़ रुपये ओएफएस होगा। एमक्योर फार्मास्युटिकल्स का आईपीओ 3 से लेकर 5 जुलाई तक नाम निवेशकों के लिए खुलेगा। इसका प्राइस बैंड 960 रुपये से लेकर 1,008 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। इसका लॉट साइज 14 शेयरों का तय किया गया है। शेयर की लिस्टिंग 10 जुलाई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर हो सकती है। एमक्योर फार्मास्युटिकल्स, शार्क टैंक में जज रह चुकीं नमिता थापर से जुड़ी कंपनी है। कंपनी को 1981 में स्थापित किया गया था। कंपनी फार्मा सेक्टर में कार्य करती है। बंसल वायर इंडस्ट्रीज का भी आईपीओ 3 से लेकर 5 जुलाई के बीच खुलेगा। इस आईपीओ का इश्यू साइज 745 करोड़ रुपये का होगा। यह पूरा आईपीओ फ्रेश इश्यू होने वाला है। इसमें 2.91 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। इसका लॉट साइज 58 शेयरों का रखा गया है। शेयर की लिस्टिंग 10 जुलाई को स्टॉक एक्सचेंज पर हो सकती है। बंसल वायर इंडस्ट्रीज एक स्टेनलेस स्टील कंपनी है। इसकी स्थापना 1985 में हुई थी। कंपनी हाई कार्बन स्टील वायर, लो कार्बन स्टील वायर और स्टेनलेस स्टील वायर सेगमेंट में कार्य करती है।

रुपया गिरावट के साथ खुला

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपय नौ पैसे टूटकर 83.43 पर पहुंच गया। रुपये की कीमतों में ये गिरावट कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की निकासी से आई हैं। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.39 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार के दौरान रुपया 83.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया ये पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट दिखाता है। इसका कारण है कि शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.34 पर बंद हुआ था। इसी बीच डॉलर सूचकांक 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ ही 105.30 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.52 फीसदी की बढ़त के साथ ही 85.44 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। घरेलू शेयर बाजार में 30 शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स 136.09 अंक करीब 0.17 फीसदी बढ़कर 79,168.82 अंक पर पहुंच गया जबकि एनएसई निफ्टी 41.75 अंक तकरीबन 0.17 फीसदी बढ़कर 24,052.35 अंक पर रहा।

भारत मोबाइल फोन निर्यात में चीन और वियतनाम को दे रहा टक्कर

निर्यात वित्त वर्ष 2024 में 40 फीसदी से बढ़कर 15.6 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली। मोबाइल फोन निर्यात के मामले में भारत, चीन और वियतनाम को टक्कर दे रहा है। वर्ष 2024 में चीन और वियतनाम के मोबाइल निर्यात में पिछले साल की तुलना में 2.78 फीसदी और 17.6 फीसदी की गिरावट आई, जबकि भारत के निर्यात में 40.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। चीन और वियतनाम के मोबाइल फोन निर्यात में करीब 50 फीसदी की कमी को भारत ने पूरा किया है यानी चीन और वियतनाम के मोबाइल फोन निर्यात में जितनी गिरावट आई है, उसमें से करीब 50फीसदी निर्यात की हिस्सेदारी भारत के हिस्से में आई है। स्मार्टफोन प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना की घोषणा चीन की सप्लाई चेन में हो रहे बदलाव के मद्देनजर की गई थी। रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि इसके नतीजे दिखने लगे हैं। चीन मोबाइल फोन का टॉप निर्यातक बना हुआ है, लेकिन भारत भी उसके बराबर में आता दिख रहा है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार(आईटीसी) के आंकड़ों के मुताबिक चीन का मोबाइल फोन निर्यात वित्त वर्ष 2023 में 136.3 अरब डॉलर से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 132.5 अरब डॉलर रह गया, जो 2.8फीसदी की कमी है। इसके कुल निर्यात में 3.8 अरब डॉलर की गिरावट आई। वियतनाम का मोबाइल निर्यात भी वित्त वर्ष 2023 में 31.9 अरब डॉलर से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 26.27 अरब डॉलर पर आ गया है, जो 17.6फीसदी की कमी या कुल निर्यात में 5.6 अरब डॉलर की गिरावट है। दोनों देशों के निर्यात में मिलाकर कुल कमी 9.4 अरब डॉलर रही। भारत का मोबाइल फोन निर्यात वित्त वर्ष 2024 में 40फीसदी से बढ़कर 15.6 अरब डॉलर हो गया। ये वित्त वर्ष 2023 में 11.1 अरब डॉलर था, यानी 4.5 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 443 अंक, निफ्टी 131 अंक ऊपर आया

आईटी, धातु और वित्तीय शेयरों में आया उछाल

मुम्बई ।

आईटी, धातु और वित्तीय शेयरों में आये उछाल से घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी लिवाली (खरीददारी) हावी होने से बाजार में तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 443.46 अंक करीब 0.56 फीसदी की बढ़कर 79,476.19 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 131.35 अंक तकरीबन 0.55 फीसदी उपर आकर अंत में 24,141.95 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, एचयूएल और टीसीएस सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं इंफोसिस, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचडीएफसी बैंक, टाटा मोटर्स, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, मारुति, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एमएंडएम, टाटा स्टील और कोटक बैंक के शेयर भी लाभ के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में 10 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। इसमें एनटीपसी, एसबीआई, सन फार्मा, एलएंडटी और इंडसइंड बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, रिलायंस, एक्सिस बैंक और अदाणी पोर्ट्स के शेयर भी नीचे आये। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी पीसीई मुद्रास्फीति में कमी के साथ सितंबर में फेड द्वारा दर में कटौती की उम्मीद बढ़ने से घरेलू बाजार में तेजी की उम्मीद से भी आईटी शेयरों में उछाल आया। वहीं दूसरी ओर व्यापक सूचकांक इंट्रा-डे कारोबार में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 1.11 फीसदी बढ़कर बंद हुआ और अपने शीर्ष स्तर 46,696 के करीब पहुंच गया। वहीं बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स भी 1.58 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट शुरुआत हुई। सप्ताह के पहले ही कारोबार दिन दुनिया से प्राप्त मिले-जुले संकेतों से 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 44 अंक बढ़कर 79,077 के स्तर पर खुला। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स 0.04 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ 24,019 पर खुला। दुनिया के बाजारों की बात करें तो एशिया-पेसिफिक बाजारों में अलग-अगल प्रकार का कारोबार देखने में आया। एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्केई 225 0.42 फीसदी बढ़ा जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स 0.52 फीसदी बढ़ा। दूसरी ओर दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.27 फीसदी नीचे आया, हालांकि कोस्डैक 0.79 फीसदी बढ़ा। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स 200 में 0.49 फीसदी की गिरावट रही। हांगकांग के बाजार अवकाश के कारण बंद रहे। अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। एसएंडपी 500 में 0.41 फीसदी की गिरावट आई, जबकि नैस्डैक कंपोजिट में 0.71 फीसदी की गिरावट रही।

चीनी इंजीनियरों के लिए वीजा मांग रहा अडानी ग्रुप

नई दिल्ली :

समझा जाता है कि अडानी समूह के सौर विनिर्माण कारोबार ने चीन से करीब 30 इंजीनियरों को लाने के लिए केंद्र सरकार से मंजूरी मांगी है। बुनियादी ढांचे से लेकर खनन क्षेत्र वाले इस समूह के लिए ये इंजीनियर सौर उपकरणों की दमदार और स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखला बनाने में मदद कर सकते हैं। कंपनी ने अपनी प्रस्तुतियों में आठ विदेशी साझेदारों का उल्लेख किया है। ये सभी चीन के हैं और मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) तथा आपूर्ति श्रृंखला विक्रेता हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 में 591 करोड़ रुपए के और वित्त वर्ष 2022-23 में 180 करोड़ रुपए के चीनी उपकरणों का आयात किया है। अडानी सोलर की सौर विनिर्माण इकाई मुंद्रा सोलर टेक्नोलॉजी लिमिटेड (एमएसटीएल) ने साल 2027 तक 10 गीगावॉट की एकीकृत सौर विनिर्माण क्षमता निर्माण का लक्ष्य रखा है। सरकार को दी गई कंपनी की सूचना के अनुसार यह कारखाना गुजरात के कच्छ में 25,114 करोड़ रुपए के निवेश से लगाया जा रहा है। मुंद्रा सोलर केंद्र सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (PLI) योजना के तहत भी पात्र है। पीएलआई योजना के तहत यह चार गीगावॉट सौर मॉड्यूल विनिर्माण लगाएगी। इसका इंगट, वेफर और सेल (सौर मॉड्यूल/पैनल हिस्से) विनिर्माण पीएलआई में शामिल नहीं हैं। फरवरी में अडानी सोलर ने अपनी सौर विनिर्माण इकाई में काम पर रखे जाने वाले 15 चीनी नागरिकों के लिए वीजा मांगा था। मार्च में उसने 13 और चीनी नागरिकों के लिए वीजा का अनुरोध किया। ये इंजीनियर अडानी सोलर के चीनी सौर आपूर्ति श्रृंखला के विक्रेताओं के साथ काम कर हैं। विदेशी विक्रेताओं और अधिकारियों के लिए मंजूरी की मांग करते हुए सौर पीएलआई के लिए नोडल मंत्रालय- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) को दिए अपने आवेदन में कंपनी ने अपने सौर कारोबार को

मेक इन इंडिया पहल का हिस्सा बताया है।

अडानी सोलर की ओर से सूचीबद्ध आठ चीनी विक्रेता सिलिकॉन सेल, फोटोइलेक्ट्रिक उपकरण, वेफर विनिर्माण, सेमीकंडक्टर और सौर उपकरण आपूर्ति श्रृंखला के लिए जरूरी ऐसी ही उपकरणों के निर्माण में लगे हुए हैं। इन फर्मों के इंजीनियर उत्पाद इकाइयां लगाने, मौजूदा इकाइयों में उत्पादन बढ़ाने और भारतीय कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने में अडानी की मदद करेंगे। भारत में उनके रहने की अवधि छह महीने से एक वर्ष तक की है। चीन के इंजीनियरों को वीजा मंजूरी के लिए कंपनी ने तर्क दिया है कि ऐसी सौर इकाई लगाने के लिए भारत में विशेषज्ञता की कमी है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें घटीं

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने सोमवार को व्यवसायिक उपयोग वाले (कमर्शियल) एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 31 रुपये की कटौती की है। इससे इसका उपयोग करने वालों को राहत मिली है। अब 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें कम हो गयी हैं। दिल्ली में अब कमर्शियल सिलेंडर 1676 की जगह 1646 रुपए जबकि कोलकाता में यह सिलेंडर अब 1756 रुपए में मिलेगा। पहले इसके दाम 1787 रुपए थे। वहीं मुंबई में सिलेंडर 1629 रुपए से घटकर 1598 रुपये का हो गया है जबकि चेन्नई में सिलेंडर 1809.50 रुपए का मिल रहा है। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम पहल की तरह ही रहेंगे। इसमें कोई कटौती नहीं की गयी है। दिल्ली में यह 803 और मुंबई में 802.50 का मिल रहा है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें मार्च में 100 रुपये कम की गयीं थीं। दिल्ली में अब घरेलू एलपीजी सिलेंडर 803 रुपये, कोलकाता में 829 रुपये, मुंबई में 802.50 रुपये और चेन्नई में 818.50 रुपये में मिल रहा है। वहीं जून 2023 को घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें देश भर में करी 1100 रुपये थी। इसक बाद तेल कंपनियों ने पिछले साल 30 अगस्त 2023 को इसमें 200 रुपये घटाये थे। इसके दाम 900 रुपये तक पहुंच गये थे। वहीं इस साल चुनावों के पहले इनके दाम में एक बार फिर 100 रुपये की कमी की गयी जिससे इसकी कीमतें और कम हुई और 800 तक पहुंच गयीं।

क्या सरकार निवेशकों को कैपिटल गेन टैक्स में देगी राहत?

बिजनेस डेस्क :

नई एनडीए सरकार केंद्रीय बजट 2024 (पूर्ण बजट) पर जोर-शोर से काम कर रही है। इस बजट से इस बार हर किसी को काफी उम्मीदें हैं। जानकारों को उम्मीद है कि इस बार केंद्रीय बजट में सरकार निवेशकों को पूंजीगत लाभ कर (कैपिटल गेन टैक्स) के मामले में थोड़ी राहत जरूर दे सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि होल्डिंग अवधि को सुव्यवस्थित करने के लिए पूंजीगत लाभ व्यवस्था को तर्कसंगत और मानकीकृत करने से दरों में एकरूपता और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ के लिए सूचीकरण के आधार वर्ष में बदलाव से निवेशकों को लाभ होगा। ऐसी उम्मीदें हैं कि घरेलू इक्विटी और म्यूचुअल फंड में एक समान होल्डिंग अवधि शुरू करके पूंजीगत लाभ कर संरचना को सरल बनाया जाएगा।

किस पर लगता है कैपिटल गेन टैक्स

इनकम टैक्स कानून के हिसाब से, चल और अचल दोनों तरह की पूंजीगत संपत्तियों की बिक्री से होने वाले लाभ पर कैपिटल गेन टैक्स चुकाना होता है। अलग-अलग प्रकार की संपत्तियों - जैसे इक्विटी, ऋण और रियल एस्टेट - पर अलग-अलग दरों और अवधियों पर टैक्स लगाया जाता है, जो यह निर्धारित करते हैं कि लाभ अल्पकालिक है या दीर्घकालिक। जानकारों को उम्मीद है कि सूचीबद्ध ऋण प्रतिभूतियों में प्रत्यक्ष निवेश और ऋण-उन्मुख म्यूचुअल फंड के जरिये समान उपकरणों में अप्रत्यक्ष निवेश के लिए टैक्स उपचार में समानता होगी। फिलहाल सूचीबद्ध ऋण प्रतिभूतियों और शून्य-कूपन बॉन्ड (सूचीबद्ध या गैर-सूचीबद्ध) में 12 महीने से अधिक के लिए प्रत्यक्ष निवेश को दीर्घकालिक निवेश माना जाता है। दूसरी तरफ अगर निवेश ऋण-उन्मुख म्यूचुअल फंड योजना के माध्यम से किया जाता है, तो दीर्घकालिक निवेश होने के लिए होल्डिंग अवधि 36 महीने तक बढ़ जाती है।

अप्रैल 2023 के बाद इक्विटी की तरफ झुकाव

एक्सपर्ट मानते हैं कि अगर लोन म्यूचुअल फंड निवेश के लिए दीर्घकालिक होल्डिंग अवधि को घटाकर 12 महीने कर दिया जाता है, तो यह दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर संरचना को सरल बनाकर निवेशकों के लिए कैटेगरी को आकर्षक बना देगा। अप्रैल 2023 के बाद निवेशकों के निवेश आवंटन में इक्विटी की तरफ झुकाव देखा गया है। एक्सपर्ट का कहना है कि हम निवेशकों को उनके निवेश सलाहकार की सलाह के आधार पर अपने पोर्टफोलियो में डेट इक्विटी मिक्स रखने में फायदा देख रहे हैं। यही वजह है कि डेट म्यूचुअल फंड के लिए कुछ टैक्स छूट की उम्मीद की जा सकती है।

हम इक्विटी के लिए पूंजीगत लाभ कर पर यथास्थिति की उम्मीद करते हैं।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार की तरह ही घरेलू बाजार में भी सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। सोने के वायदा भाव 71,550 रुपये जबकि चांदी के वायदा भाव 87,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने व चांदी की वायदा कीमतों में गिरावट रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 24 रुपये बढ़कर 71,606 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 71,612 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,532 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव इस साल 74,442 रुपये के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरूआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 187 रुपये नीचे आकर 86,980 रुपये पर खुला। ये एक समय 167 रुपये नीचे आकर 87,000 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 87,068 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 86,906 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। कॉमेक्स पर सोना 2,336.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

2000 रु के 97.87% नोट वापस आए, 7,581 करोड़ रुपए मूल्य के नोट अब भी लोगों के पास

मुंबई :

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि दो हजार रुपए मूल्य के 97.87 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। चलन से हटाए गए केवल 7,581 करोड़ रुपए मूल्य के नोट अब भी लोगों के पास हैं। आरबीआई ने 19 मई 2023 को 2000 रुपए मूल्य के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। चलन में 2000 रुपए मूल्य के बैंक नोट का कुल मूल्य 19 मई 2023 को कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपए था। यह 28 जून 2024 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 7,581 करोड़ रुपए रह गया। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, ''इस प्रकार 28 जून 2024 तक 2000 रुपये के 97.87 प्रतिशत बैंक नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। सात अक्टूबर 2023 तक 2000 रुपए के बैंक नोट को जमा करने और/या बदलने की सुविधा देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। 19 मई 2023 से 2000 रुपए के बैंक नोट को बदलने की सुविधा रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध रही। आरबीआई के निर्गम कार्यालय नौ अक्टूबर 2023 से लोगों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए भी 2000 रुपए के नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा, लोग अपने बैंक खातों में जमा करने के लिए देश के किसी भी डाकघर से आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय में 2000 रुपए के बैंक नोट भेज रहे हैं। बैंक नोट को जमा/बदलने वाले आरबीआई के 19 कार्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2016 में उस समय चलन में मौजूदा 1000 रुपए और 500 रुपए के बैंक नोट को हटाए जाने के बाद 2000 रुपए के बैंक नोट लाए गए थे।

ज़ोमैटो को बड़ा झटका, मिला 9.45 करोड़ रुपए का जीएसटी नोटिस

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी ज़ोमैटो लिमिटेड को एक झटका लगा है। दरअसल, कंपनी को कर्नाटक के वाणिज्यिक कर (ऑडिट) के सहायक आयुक्त से 9.45 करोड़ रुपए का माल और सेवा कर (जीएसटी) मांग नोटिस मिला है। कंपनी ने बीएसई एक्सचेंज फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी। कर्नाटक के टैक्स रेगुलेटर ने 5.01 करोड़ रुपए जीएसटी डिमांड किया है। लाइवमिंट की खबर के मुताबिक, फाइलिंग के अनुसार, इसे 3.93 करोड़ रुपए के ब्याज शुल्क और 50.19 लाख रुपए के जुर्माने के साथ चिह्नित किया जाएगा, जिससे कुल राशि 9.45 करोड़ रुपए हो जाएगी।

खबर के मुताबिक, फाइलिंग में कंपनी ने बताया है कि कंपनी को जीएसटी रिटर्न और खातों के ऑडिट के तहत वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए टैक्स ऑर्डर प्राप्त हुआ है। बता दें, ज़ोमैटो के शेयर शुक्रवार, 28 जून को ₹200.15 पर पिछले बंद की तुलना में 0.10 प्रतिशत बढ़कर ₹200.35 पर बंद हुए। कंपनी ने टैक्स नोटिस के जवाब में कहा कि हमारा मानना है कि हमारे पास गुण-दोष के आधार पर एक मजबूत मामला है। कंपनी उचित प्राधिकारी के समक्ष आदेश के खिलाफ अपील दायर करेगी। यह पहली बार नहीं है जब फूड डिलीवरी कंपनी को टैक्स नोटिस मिला है। ज़ोमैटो को 2021 में गुरुग्राम के केंद्रीय माल और सेवा कर के अतिरिक्त आयुक्त से टैक्स नोटिस मिला था। उस समय की मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, उस नोटिस में कंपनी से ब्याज और जुर्माना शुल्क सहित ₹11.82 करोड़ का भुगतान करने की मांग की गई थी। कंपनी ने भी टैक्स आदेश के खिलाफ अपील करने का रुख अपनाया।

आईसीसी की विश्वकप टीम ऑफ द टूर्नामेंट में रोहित सहित छह भारतीय खिलाड़ी शामिल

-विराट को नहीं मिली जगह

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने विश्वकप की टीम ऑफ द टूर्नामेंट की घोषणा कर दी है। इसमें रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या सहित छह भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है। हैरानी की बात ये है कि इसमें भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को जगह नहीं मिली है जबकि विराट ने टी20 विश्वकप के फाइनल में शानदार पारी खेलते हुए 76 रन बनाये थे। आईसीसी की इस टीम में भारत की ओर से कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, के अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह व जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल को भी शामिल किया गया है। अफगानिस्तान के 3 खिलाड़ी, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के 1-1 खिलाड़ियों को इस टीम में शामिल किया गया है.

वहीं दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्किया को 12वें खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। दक्षिण अफ्रीक के विश्वकप में 15 विकेट लिए थे।

रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहली बार विश्वकप जीता। रोहित ने इस टूर्नामेंट में 3 अर्धशतकों की सहायता से कुल 257 रन बनाए। वहीं विश्वकप फाइनल में शानदार बल्लेबाजी करने के अलावा डेडिड मिलर का कैच पकड़ कर मुकाबला भारतीय टीम की ओर करने वाले सूर्यकुमार यादव को भी टीम में जगह मिली है। जसप्रीत बुमराह ने विश्व कप में कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 4.17 की इकोनोमी से रन दिए और 15 विकेट लिए। इसके अलावा युवा अर्शदीप सिंह ने 17 विकेट लेकर इस विश्व कप में रिकॉर्ड बनाया।

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने 169 रन बनाने के साथ साथ 10 विकेट भी चटकाए। इस कारण उन्हें भी टीम में जगह मिली है। पंड्या के प्रदर्शन भी गेंद और बल्ले से अच्छा रहा। इस कारण उन्हें भी टीम में जगह मिली है। वहीं अफगानिस्तान की ओर से विश्वकप में शानदार शुरुआत करने वाले रहमनुल्लाह गुरबाज को भी इस टीम में रखा गया है। गुरबाज ने तीन अर्धशतकों की सहायता से 281 रन बनाए थे। गुरबाज ने 124.33 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। इसके अलावा वेस्टइंडीज के विकेटकीपर निकोलस पूरन को भी इस टीम में शामिल किया गया है। निकोलस ने 228 रन बनाये और उनका स्ट्राइक रेट 146.15 रहा। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने 14 विकेट इस कारण उन्हें भी टीम में जगह मिली है। इसके अलावा अफगान तेज गेंदबाज फजहलक फारूकी ने इस विश्व कप में 17 विकेट लिए। उनकी सर्वश्रेष्ट गेंदबाजी 9 रन देकर 5 विकेट रही।

आईसीसी की टी20 विश्व कप टीम इस प्रकार है: रोहित शर्मा, रहमनुल्लाह गुरबाज, निकोलस पूरन, सूर्यकुमार यादव, मार्कस स्टोइनिस, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, राशिद खान, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, फजहलक फारूकी. 12वां खिलाड़ी- एनरिक नॉर्किया।

पेरिस ओलंपिक के लिए अभ्यास कर रहे मुक्केबाज अमित पंघाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज मुक्केबाज अमित पंघाल आजकल पेरिस ओलंपिक के लिए अभ्यास में जुटे हुए हैं। पंघाल का लक्ष्य अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतना रहेगा। पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट मिलने के बाद से ही वह बेहद उत्साहित हैं। पंघाल ने एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है जिससे भी उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद से ही वह निराश थे, इसे बाद बड़ी मुश्किल से उन्हें जगह मिली। पंघाल को तब अवसर मिला जब दीपक भोरिया दो प्रयासों के बाद भी 51 किग्रा में ओलंपिक कोटा हासिल नहीं कर पाये। पंघाल को अंतिम क्वालीफाइंग स्पर्धा के लिए चुना गया और उन्होंने इसमें जीत हासिल कर ओलंपिक टिकट हासिल किया। इस मुक्केबाज को पिछले तीन साल में सीमित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के कारण कई पहलुओं पर काम करना पड़ा। उन्हें प्रतियोगिता से केवल एक महीने पहले ही अपने चयन के बारे में पता चला था। उन्होंने कहा, ''मैंने हर चीज पर काम किया। मैंने शरीर को आराम देने पर काम किया क्योंकि मुकाबलों के बीच आराम काफी जरुरी होता है।

दक्षिण अफ्रीकी टीम अब भी बदल नहीं पायी दबाव में बिखरने की आदत

-क्लूजनर से क्लासेन तक वही कहानी टीम ने फिर दोहरायी

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी टीम एक बार फिर दबाव में बिखरने के मिथक को गलत साबित नहीं कर पायी है। टीम को लेकर बड़े मुकाबले में दबाव के बीच बिखरने की जो बातें कहीं जाती रही हैं। वे एक बार फिर टी20 विश्वकप में सही साबित हुई हैं। दक्षिण अफ्रीकी टीम इस टूर्नामेंट में सभी मैच जीतकर फाइनल में पहुंची थी पर इसे बाद भी उसे करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इस हार से दक्षिण अफ्रीकी प्रशंसकों के मस्तिष्क में लांस क्लूजनर की यादें फिर ताज हो गयी हैं। ये भी साफ हो गया है कि क्लूजनर से हेनरिक क्लासेन तक हालात नहीं बदले हैं। इसी कारण उसने हाथ में आया हुआ मैच खो दिया। दक्षिण अफ्रीकी टीम को अंतिम 30 गेंदों पर 30 रन की जरूरत थी और 6 विकेट हाथ में थे। उस समय हेनरिक क्लासेन आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे। 15वां ओवर में उन्होंने एक ही ओवर में एक ओवर में 24 रन बना लिए। इसके बाद टीम की जीत करीब लगने लगी थी।

मैच के 16वें ओवर तक मैच अफ्रीकी टीम के हाथों में था पर 17 वें ओवर में क्लासेन के आउट होते ही अफ्रीकी टीम की पकड़ मैच से ढ़ीली होने लगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम के पास हमेशा से अच्छे बल्लेबाज ओर गेंदबाज रहे हैं पर इसके बाद भी वह अहम मुकाबलों में गलतियां कर देती है। अब तक खेले गए कुल 18 एकदिवसीय और टी-20 विश्व कप में अफ्रीकी टीम पहली बार फाइनल मुकाबले तक पहुंच पाई। वहीं 7 बार उसे सेमिफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इसमें 1999 के एकदिवसीय विश्वकप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर जीत के लिए टीम को अंतिम ओवर में 9 रनों की जरूरत थी और उसका आखिरी विकेट ही बचा था। तब ऑलराउंडर लांस क्लूजनर के साथ तेज गेंदबाद एलन डोनाल्ड खेल रहे थे। क्लूजनर ने अंतिम ओवर की पहली 2 गेंदों पर 2 चौके लगाकर स्कोर बराबर कर दिया। इस प्रकार उसे जीत के लिए 4 गेंदों पर केवल एक रन की जरुरत थी।

भारतीय महिला टीम की बड़ी जीत, एकमात्र टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से हराया

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम ने एकमात्र टेस्ट मैच में सोमवार को यहां चौथे और आखिरी दिन दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से शिकस्त दी। भारतीय जीत में शेफाली वर्मा और स्नेह राणा का अहम योगदान रहा। शेफाली ने पहली पारी दोहरा शतक जड़ा जबकि राणा ने 77 रन देकर आठ विकेट चटकाए।

शेफाली की 197 गेंद में 205 रन और पहले विकेट के लिए स्मृति मंधाना (149) के साथ 292 रन की साझेदारी के दम पर भारत ने छह विकेट पर 603 रन पर पारी घोषित की। टीम ने राणा की शानदार फिरकी के दम पर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी को 266 रन पर समेट दी। भारत ने पहली पारी में 337 रन की बढ़त लेने के बाद दक्षिण अफ्रीका को फॉलोऑन करया।

दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लॉरा वुलवार्ट (122) और पूर्व कप्तान सुने लुस (109) की शतकीय पारियों के बाद मध्यक्रम की बल्लेबाज नादिने डि क्लर्क की 61 रन की पारी के दम पर 373 रन बनाकर भारत को जीत के लिए 37 रन का लक्ष्य दिया। शुभा सतीश (नाबाद 13) और शेफाली (नाबाद 24) ने 9.2 ओवर में बिना किसी नुकसान के जीत की औपचारिकता पूरी की। भारतीय टीम ने इससे पहले तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला को 3-0 से अपने नाम किया था। दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी20 श्रृंखला का आगाज पांच जुलाई से होगा।

अभी आईपीएल खेलते रहेंगे रोहित

बारबाडोस । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह अभी आईपीएल खेलते रहेंगे । जिस प्रकार से रोहित ने विश्वकप जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था उसके बाद ही अटकलें लगायी जा रहीं थीं कि वह आईपीएल को भी अलविदा कह सकते हैं पर रोहित ने इन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। रोहित ने कहा, मैंने इस समय टी-20 से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोचा था पर जिस तरह के हालाते थे उसमें मुझे लगा कि मेरे लिए टी-20 को अलविदा कहने के लिए यह बिल्कुल सही सही समय है पर मैं आईपीएल पक्के तौर पर खेलूंगा । रोहित ने भारत को 2024 का टी20 विश्व कप खिताब दिलाने के बाद ही टी20 क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी । 2007 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले रोहित को अब तक आयोजित हर टी20 विश्व कप में खेलने की उपलब्धि मिली है ।

आईएल टी20 क्रिकेट लीग में खेलेंगे नरेन , रसेल ओर बोल्ट जैसे दिग्गज

दुबई । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में टी20 अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग अगले साल की शुरुआत में होगी । इस लीग के 13 जनवरी से शुरु होने की संभावना है । इसमें अंतराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले खिलाड़ी ही खेल सकते हैं । ऐसे में इसमें दिग्गज क्रिकेटर सुनील नरेन, आंद्रे रसेल , ट्रेंट बोल्ट, एलेक्स हेल्स, मोईन अली, वनिंदु हसरंगा आदि खेलते हुए नजर आयेंगे। इसमें 6 टीमें भाग लेंगीं और 34 मैच खेले जाएंगे। इसमें सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ दो-दो मैच खेलेंगी। इसके बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे। इस लीग के दौरान ही दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और बांग्लादेश में टी20 लीग खेली जाएंगी। दक्षिण अफ्रीका की एसए 20लीग 10 जनवरी से 11 फरवरी तक खेली जानी है। वहीं ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग दिसंबर में शुरू होकर 4 फरवरी तक चलेगी जबकि पाक की पीएसएल लीग 9 फरवरी से शुरू हो रहा है । इस लीग में अबू धाबी नाइट राइडर्स, दुबई कैपिटल्स, एमआई एमिरेट्स के अलावा शारजाह वॉरियर्स, डेजर्ट वाइपर्स और गल्फ जायंट्स जैसी टीमें भी भाग लेंगी । इसमें 6 टीमों में कुल 84 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ ही यूएई के भी 24 खिलाड़ी खेलेंगे ।

सही प्रकार से तैयार नहीं हुई थीं ड्राप इन पिचें : गेल

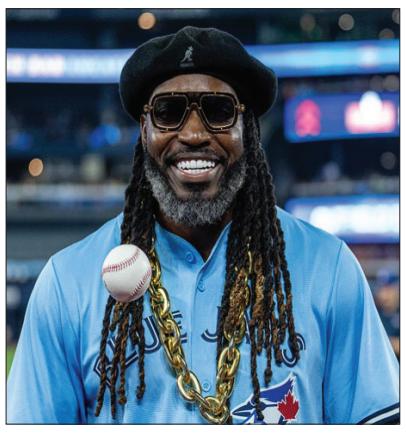

ब्रिजटाउन । वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल ने कहा है कि अमेरिका में हुए टी20 विश्वकप टूर्नामेंट में 'ड्राप इन पिचों के कारण कम रन बने । गेल के अनुसार अन्य जगह पर बनी ये ड्राप इन पिचें सही प्रकार से तैयार नहीं हुई थीं । इन पिचों को ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में तैयार करने के बाद अमेरिकी मैदान पर लगाया गया था । गेल का मानना था कि न्यूयॉर्क की ड्राप इन पिचों को तैयार होने का पूरा समय नहीं मिला । फ्लोरिडा से ट्रकों के परिये इन पिचों को न्यूयॉर्क लाया गया था। इन पिचों पर आसामान्य उछाल के कारण खिलाड़ियों के लिए खेलना काफी कठिन रहा ।

गेल ने कहा कि इसी कारण ये कम स्कोर वाला विश्व कप रहा है । यहां विकेट भी धीमा हो जाता है । यह बल्लेबाजों का प्रारूप है पर इस बार इसमें गेंदबाज हावी रहे । साथ ही कहा कि आने वाले समय में हम बेहतर पिचें देखना चाहेंगे । उन्होंने हालांकि अमेरिका में खेल को बढ़ावा देने के प्रयासों के आईसीसी के प्रयासों की तारीफ करते हुए कहा कि इससे क्रिकेट दुनिया भर में फैलेगा । इसलिए वह आईसीसी के काम को एक सकारात्मक प्रयास मानते हैं । साथ ही कहा कि जिस देश में बेसबाल , बास्केटबॉल जैसे खेल लोकप्रिय हैं वहां क्रिकेट को इस प्रकार पेश करना एक अच्छी पहल है । साथ ही कहा कि जिस प्रकार से भारी तादामें में प्रशंसक मैदान में आये उससे भी पता चलता है कि क्रिकेट अब अमेरिका में भी पसंद किया जाने लगा है ।

दिनेश कार्तिक को मिली बड़ी जिम्मेदारी, इस आईपीएल फ्रेंचाइजी ने बनाया बल्लेबाजी कोच और मेंटर

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सोमवार को पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक को अपना नया बैटिंग कोच और मेंटर नियुक्त किया। कार्तिक ने 2015 और 2016 में पहली बार आरसीबी के लिए खेला था। उन्होंने 2024 के सीजन में 15 मैचों में 187.36 की स्ट्राइक रेट से कुल 326 रन बनाए, लेकिन उनका प्रभाव सिर्फ रन बनाने की संख्या से कहीं ज़्यादा था। कार्तिक की नियुक्ति के बारे में बात करते हुए आरसीबी के क्रिकेट निदेशक मो बोबट ने कहा कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर मैदान पर रोमांचकारी थे और कोचिंग समूह के लिए एक बेहतरीन जोड़ होंगे।

आरसीबी की ओर से जारी विज्ञप्ति में बोबट के हवाले से कहा गया, 'डीके हमारे कोचिंग समूह में एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उन्हें मैदान पर देखना रोमांचकारी था और मुझे यकीन है कि वे कोच के रूप में भी उतने ही प्रभावशाली होंगे। एक खिलाड़ी के रूप में उनकी लंबी अवधि और ट्रैक रिकॉर्ड उनके कौशल और समर्पण के बारे में बहुत कुछ बताता है। मुझे पता है कि वे इस नए पेशेवर अध्याय में भी वही गुणवत्ता और प्रतिबद्धता लाएंगे।'

39 वर्षीय खिलाड़ी ने 2004 में 19 वर्षीय के रूप में भारत के लिए अपना वनडे डेब्यू किया था, के पास दो दशकों से अधिक का विशाल बल्लेबाजी अनुभव है, जिसके दौरान उन्होंने भारत के लिए 26 टेस्ट, 94 वनडे और 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने 257 आईपीएल मैच में भी भाग लिया जिसमें 22 अर्द्धशतकों सहित कुल 4842 रन बनाए। बैटिंग कोच और बैटिंग मेंटर के रूप में नियुक्ति पर दिनेश कार्तिक ने कहा, 'पेशेवर स्तर पर कोचिंग करना मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से रोमांचक है और यह कुछ ऐसा है जिसे मैं अपने जीवन के नए अध्याय के रूप में लेकर वास्तव में भावुक हूं। उम्मीद है कि एक खिलाड़ी के रूप में मेरे अनुभवों की चौड़ाई समूह के विकास में योगदान दे सकती है और अतिरिक्त मूल्य ला सकती है।' उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि क्रिकेट की सफलता न केवल तकनीकी दक्षता पर निर्भर करती है, बल्कि मैच की बुद्धिमत्ता और संयम पर भी निर्भर करती है। मैं अपने बैटिंग ग्रुप को कोचिंग देने और सलाह देने के लिए उत्सुक हूं, ताकि उन्हें न केवल अपने तरीके को निखारने में मदद मिल सके, बल्कि दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए आवश्यक मैच जागरूकता भी विकसित हो सके। यह भी बहुत अच्छा है कि मैं आरसीबी के साथ अपना जुड़ाव जारी रख सकता हूं क्योंकि फ्रैंचाइज़ी लगातार मजबूत होती जा रही है।'

कार्तिक की बैटिंग शैली और मैदान पर बिजली की तरह मौजूदगी ने भी उन्हें तुरंत पसंदीदा बना दिया था। बल्लेबाजी के प्रति अपने शांत दृष्टिकोण के साथ टीम के भाग्य को आकार देने की उनकी क्षमता ने उन्हें कोच एंड़ी फ्लावर के साथ युवा भारतीय बल्लेबाजों को पोषित करने और उनका मार्गदर्शन करने की आरसीबी की खोज में स्वाभाविक रूप से फिट बनाया।

जय शाह ने की पुष्टि, टीम इंडिया के नए मुख्य कोच श्रीलंका सीरीज से जुड़ेंगे

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने पुष्टि की है कि टीम इंडिया के नए मुख्य कोच आगामी श्रीलंका सीरीज के लिए टीम से जुड़ेंगे। टीम इंडिया को तीन मैचों की टी20 और तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करना है जिसकी शुरुआत 27 जुलाई से होगी। टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल मैच के बाद मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हो गया, जहां भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर 17 साल बाद प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती।

बारबाडोस में पत्रकारों से बात करते हुए शाह ने कहा कि क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने पहले ही दो लोगों का साक्षात्कार लिया है और उन्हें शॉर्टलिस्ट किया है। उन्होंने कहा कि मुंबई पहुंचने के बाद बीसीसीआई के सदस्य इसकी घोषणा करेंगे। बीसीसीआई सचिव ने पुष्टि की कि भारत के पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण टीम के अंतरिम कोच के रूप में जिम्बाब्वे जाएंगे।

शाह के हवाले से कहा गया, %कोच और चयनकर्ता दोनों की नियुक्तियां जल्द ही की जाएंगी। सीएसी ने साक्षात्कार लिया है और दो नामों को शॉर्टलिस्ट किया है और मुंबई पहुंचने के बाद जो भी उन्होंने तय किया है, हम उसके अनुसार चलेंगे। वीवीएस लक्ष्मण जिम्बाब्वे जा रहे हैं, लेकिन श्रीलंका सीरीज से एक नया कोच शामिल होगा।'

गौतम गंभीर का नाम इस भूमिका के लिए काफी जोड़ा जा रहा है, कई पूर्व क्रिकेटरों ने 2011 विश्व कप विजेता को भारतीय टीम के मुख्य कोच के रूप में सफल होने का समर्थन किया है। गंभीर 2007 आईसीसी विश्व टी20 और 2011 क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के एक प्रमुख सदस्य थे, को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ उनकी हाल की सफलता के लिए प्रशंसा मिली थी, जब वे इंडियन प्रीमियर लीग फ्रैंचाइजी में उनके मेंटर के रूप में वापस आए थे। हाल ही में समाप्त हुए सीजन में लगभग बेदाग प्रदर्शन करने के बाद केकेआर ने अपना तीसरा आईपीएल खिताब जीता।

वर्तमान में रहें और खुले दिमाग से खेलें, बिंद्रा की ओलंपिक जाने वाले भारतीय खिलाड़ियों को सलाह

चंडीगढ - भारत के पहले ओलंपिक व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा को बखूबी पता है कि शीर्ष स्तर पर दबाव का सामना कैसे करना है और उन्होंने पेरिस ओलंपिक जा रहे भारतीय खिलाड़ियों को वर्तमान में रहने और खुले दिमाग से खेलने की सलाह दी। बीजिंग ओलंपिक 2008 में पुरूषों की 10 मीटर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण जीतने वाले बिंद्रा ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों को ओलंपिक में बिताये समय का पूरा लुत्फ उठाना चाहिए। उन्होंने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा एक कार्यक्रम में कहा, 'मैं सभी खिलाड़ियों को शुभकामना देना चाहता हूं। उन्होंने इतनी स्पर्धाओं में लगातार अच्छा खेलकर वैसे ही हमें गौरवान्वित किया है। अब विश्व स्तर पर छा जाने का समय है।' उन्होंने कहा, 'ओलंपिक खेलों का सर्वोच्च मंच है। पूरी दुनिया उनका स्वागत करने को तत्पर है। पूरा देश चाहता है कि हमारे खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करें।' बिंद्रा ने कहा, 'मैं यही कहूंगा कि वर्तमान में रहें, अतीत या भविष्य का नहीं सोचें। खुले दिमाग से खेलें और अपनी मेहनत पर भरोसा रखें। असली आत्मविश्वास उसी मेहनत से आता है जो आप इतने समय से कर रहे हैं।' दो बार एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुके शॉट पुट खिलाड़ी तेजिंदर पाल सिंह तूर ने कहा कि तोक्यो में नीरज चोपड़ा को भाला फेंक में मिले स्वर्ण पदक से ट्रैक और फील्ड में बाकी खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा, 'हमारे एथलीट पेरिस में पदक जीतेंगे। नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक के बाद से बाकी एथलीट भी प्रेरित हुए हैं।' एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना ने कहा, 'हमें देश का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है। यह खुशी की बात है कि इतने खिलाड़ियों ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। हमें अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है।'

विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में रोमांचक मुकाबले होने की उम्मीद : पॉल-एरिक

नई दिल्ली । विश्व बैडमिंटन की वैश्विक संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) के प्रमुख पॉल-एरिक ने कहा है कि अगले साल भारत में होने वाले विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगी। होयर ने कहा, ''भारत में तेजी से बैडमिंटन में काफी अच्छी प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, ऐसे में विश्व जूनियर प्रतियोगिता का दूसरी बार भारत में आयोजन और भी अहम होगा। '' उन्होंने कहा, ''भारतीय बैडमिंट संघ (बीएआई) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बैडमिंटन में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं है और ऐसे में यह उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए टीम और व्यक्तिगत खिताब के लिए चुनौती पेश करने का बेहतरीन स्थान होगा।'' विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 में भारत में होगी। इसका आयोजन गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में किया जाएगा।(बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि करीब 15 साल बाद ये चैंपियनशिप भारत में होने जा रही है। इससे पहले साल 2008 में इसका आयोजन भारत में हुआ था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''टीम और व्यक्तिगत दोनों स्पर्धाएं गुवाहाटी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित की जाएंगी।'' पिछली बार इन खेलों का आयेजन पुणे में हुआ था।

पेरिस ओलंपिक से पहले नीरज चोपड़ा का बड़ा ऐलान, पेरिस डायमंड लीग में नहीं आएंगे नजर

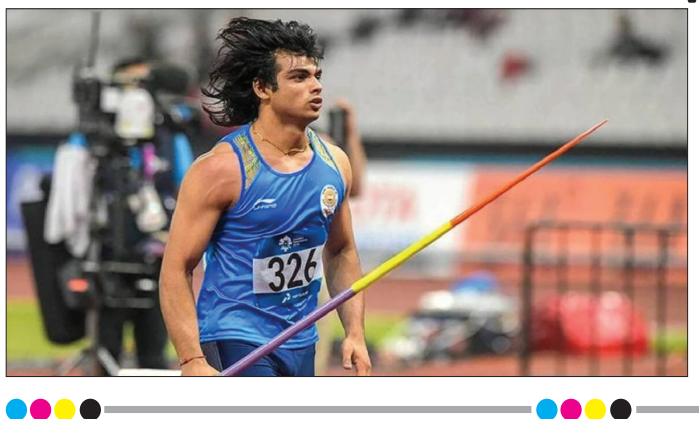

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच खेलों का महाकुंभ ओलंपिक फ्रांस के पेरिस में शुरू होने जा रहा है। लेकिन उससे पहले टोक्यो ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और स्टार भारतीय जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को लेकर बड़ी खबर सामने आई है।

गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ ने ओलंपिक से पहले होने वाले पेरिस डायमंड लीग से नाम वापस ले लिया है। इसका मतलब ये है कि ये स्टार खिलाड़ी अब डायमंड लीग में खेलते हुए नहीं दिखाई देंगे। वहीं इसके बाद अब उनकी चोट को लेकर फैंस के बीच कई सावल उठ रहे हैं।

इस पर बता दें कि, नीरज ने जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों में असहजता के कारण इस लीग से नाम वापस लिया है। ईएसपीएन से बातचीत में नीरज ने कहा कि वह ट्रेनिंग और थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले अपने पैर को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

साथ ही उन्होंने कहा कि, मुझे थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले पैर को मजबूत करना होगा क्योंकि उसी समय ग्रोइन में खिंचाव आता है। हम इस पर काम कर रहे हैं। मैं कुछ और टूर्नामेंट खेल सकता था और खेलना भी चाहता था। लेकिन मुझे लगता है कि स्वास्थ्य सर्वोपरि है, थोड़ी भी असहजता महसूस होने पर रुक जाना ही ठीक है।

बता दें कि, पिचले महीने फिनलैंड में पावो नुरमी खेलों में गोल्ड मेडल जीतने वाले नरीज ने कहा कि वह अब समझदार हो गए हैं और जोखिम नहीं लेते। साथ ही उन्होंने कहा कि ओलंपिक में स्वर्ण जीतने से पहले मैं हर प्रतिस्पर्धा में भाग लेना चाहता था। अब अनुभव के साथ सही फैसले लेने लगा हूं। फिनलैंड में प्रदर्शन अच्छा था लेकिन अभी और काम करना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑफिस में कई बार हम कुछ ऐसा पहनकर चले जाते हैं जिससे हम उपहास या गॉसिपिंग का पात्र बन जाते हैं। शालीनता के साथ अगर आप ऑफिस में अपने आपको कैरी करती हैं तो आपको कपड़ों को लेकर कभी शर्मिंदगी उठानी पड़ेगी। आपके ड्रेसिंग सेंस की सब तारीफ करेंगे

ऑफिस में क्या पहनें... जरा ध्यान दें

हर चीज चाहे वो कपड़े ही क्यों न हों, समय और जगह के माकूल होने चाहिए, नहीं तो वो बुरे लगने लगते हैं। यह बात यूं तो हर जगह लागू होती है, पर अगर आप वर्किंग वुमन या गर्ल हैं तो फिर इस बात पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। ऑफिस में कई बार हम कुछ ऐसा पहनकर चले जाते हैं जिससे हम उपहास या गॉसिपिंग का पात्र बन जाते हैं। शालीनता के साथ अगर आप ऑफिस में अपने आपको कैरी करती हैं तो आपको कपड़ों को लेकर कभी शर्मिंदगी उठानी पड़ेगी। आपके ड्रेसिंग सेंस की सब तारीफ करेंगे, सो अलग।

ट्राउजर, जीन्स में फोन पिन न करें

अगर आप इंजीनियर या आर्किटेक्ट जैसे फील्ड वर्क में हैं तो ट्राउजर, जीन्स आदि में फोन पिन करना ठीक भी हैं, लेकिन ऑफिस में यह स्टाइल सही नहीं है। यह देखने में बिल्कुल चाइल्डिश लगता है। मोबाइल फोन को या तो अपने पर्स में या फिर हाथ में ढंग से कैरी करें।

स्किन रिवीलिंग ड्रेस को ना

बहुत ज्यादा स्किन रिवीलिंग ड्रेस पहन कर भी ऑफिस में आना अच्छी बात नहीं है। ऑफिस में इस तरह की ड्रेस न केवल खराब लगती है, बल्कि छवि पर भी इसका खास असर पड़ता है।

शॉर्ट कपड़े न ही पहनें तो अच्छा है

ऑफिस में कोई भी ड्रेस पहनने के लिए कुछ नियम-कायदे होते हैं। ऐसे में आप उन्हें फॉलो न करके शॉर्ट कपड़े पहन कर अगर ऑफिस आती हैं तो एक तो यह ऑफिस डेकोरम के खिलाफ बात होगी, दूसरे आप बिना मतलब के लोगों के बीच चर्चा का विषय बन जाएंगी। इसलिए शॉर्ट ड्रेसेस न ही पहनें तो ज्यादा सही रहेगा।

बहुत ज्यादा टाइट और पतला कपड़ा

बहुत-सी महिलाएं यह मानती हैं कि फिटिंग के कपड़े पहनने से एक कॉन्फिडेंस आता है, यह कुछ हद तक सही है। लेकिन अगर आप ऑफिस में फिटिंग के कपड़े की जगह बिल्कुल ही टाइट फिटिंग और बेहद पतले स्टफ के कपड़े पहन कर आती हैं तो हो सकता है कि आप लोगों के सेंटर ऑफ अट्रैक्शन का पार्ट बन जाएं, जो पॉजिटिव वे में तो कम पर, निगेटिव वे में ज्यादा होगा।

हाई हिल्स पहन कर आना

माना कि हाई हील्स पहनना आपको पसंद है, लेकिन ऑफिस में ये परफेक्ट नहीं। हील्स आवाज बहुत करती हैं, जो ऑफिस में अन्य लोगों को काम करने में बाधा पहुंचा सकती हैं। इसलिए अगर आपको हील पहननी भी हैं तो फ्लैट हील या फिर कम हील की सैंडल्स पहनें या फिर फ्लैट स्टाइलिश स्लीपर पहनें, पर जो भी पहनें, वो आपकी ड्रेस के मुताबिक हो, यह जरूर देख लें।

ज्यादा चटकीले रंग के कपड़े

ऑफिस में सिम्पल और सोबर रंग के कपड़े पहनना ज्यादा सही रहता है। कुछ महिलाएं होती हैं, जो ऑफिस में बहुत ज्यादा कलरफुल और चटकीले रंग के कपड़े पहन कर आती हैं। उनका यह ड्रेसिंग सेंस न तो ऑफिस के लिहाज से अच्छा होता है और न ही लोग उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ करते हैं। हां उल्टे, वो मजाक का पात्र जरूर बन जाती हैं।

नहीं दिखे स्पैगिटी की स्ट्रिप

अंडर समीज या स्पैगिटी की स्ट्रिप अगर बार-बार फिसल कर आपके कुर्ते आदि की बाहों के नीचे आती है तो यह बहुत ही इम्बैरिसिंग मूमेंट हो सकता है आपके लिए। इसलिए ऐसे कपड़े बिल्कुल भी न पहनें, जिनकी वजह से आपको शर्मिंदा होना पड़े पूरे ऑफिस में।

लिविंग रूम को बनाएं जानदार

कपड़े प्रेस करने वाले आयरन में जंग लग जाती है, जिसे आप नमक के घोल से साफ कर सकती हैं।

लिविंग रूम में कई तरह के फूलों के गुलदस्ते भी रखें। गुलदस्ते के लिए आप कृत्रिम के साथ-साथ प्राकृतिक फूलों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। लिविंग रूम को सजाने का यह आसान तरीका है। लिविंग रूम में आप अपनी दीवार के लिए सफेद और मटैलिक सिल्वर के कांबीनेशन का इस्तेमाल कर सकती हैं।

बड़े काम का नमक

अगर कांच के गिलास साफ करने हैं तो उन्हें नमक वाले पानी के घोल में दस मिनट के लिए भिगो कर रखें और फिर उन्हें नींबू और साफ पानी से धो लें। कपडे प्रेस करने वाले आयरन में जंग लग जाती है, जिसे आप नमक के घोल से साफ कर सकती हैं। महीने में एक बार नमक के घोल से चांदी का सामान साफ करें। चांदी के गहनों को नमक वाले घोल में 15 मिनट के लिए भिगो कर बाद में साफ पानी से धो लें।

ट्रेंडी प्रिंटेड ब्लेजर

मौसम को देखते हुए ब्लेजर और ट्रेंड को देखते हुए प्रिंट। यदि इन दोनों चीजों को साथ मिलाया जाए, तो जो मसाला तैयार होगा, वही लेटेस्ट ट्रेंड होगा। डिजाइनर इसी वजह से प्रिंटेड ब्लेजर ला रहे हैं।

लार्ज प्रिंट

व्हाइट बैकग्राउंड के साथ यदि ब्ल्यू लार्ज प्रिंट आजमाया जाए, तो यह सभी को पसंद आएगा। बूटेदार प्रिंट इस मामले में सबसे ज्यादा चलन में है। जारा इंडिया पर इसकी कीमत 4790 रूपए है।

मोनो प्रिंटेड

यदि आपको मल्टीकलर प्रिंट पसंद नहीं, तो वर्कप्लेस पर इसे आजमाएं। ये कई डिजाइन्स में अवेलेबल हैं। कूव्ज ऑनलाइन स्टोर पर इसकी प्राइस 945 रूपए है।

वूलन चैक्ड

इसे किसी भी तरह की रेगुलर ड्रेस के साथ आजमाया जा सकता है। बीकाइंड ब्रांड के इस ब्लेजर की प्राइस 1799 रूपए से शुरू है।

लेपर्ड डिटेलिंग

आप यदि इसे किसी पार्टी में पहन रही हैं, तो लेपर्ड डिटेलिंग को आजमा सकती हैं। साड़ी पर भी ये अच्छे लगते हैं। विवेशियस इन वॉग ब्रांड ब्लेजर की प्राइस 2200 रूपए है।

पिंक फ्लॉरल

यदि आप फ्लॉरल प्रिंट ही आजमाना चाहती हैं, तो पिंक फ्लॉरल को आजमाइए। कूव्ज ऑनलाइन स्टोर पर प्राइस 1185 रूपए है।

कैजुअल प्रिंटेड

सिम्पल और सॉबर ब्लेजर के लिहाज से कैजुअल प्रिंटेड ब्लेजर बेस्ट ऑप्शन है। इन्हें किसी भी मौके पर कैरी किया जा सकता है। स्टाइलटॉस पर प्राइस 1399 रूपए से शुरू है

ब्राइट होलोग्राफ

यदि आप कॉलर लैस ब्लेजर पसंद करती हैं, तो यह ब्राइट ब्लेजर आपको पसंद आएगा। ग्लेम एंड लक्स ब्रांड के ब्लेजर की कीमत 1999 रूपए है।

माना आजकल बहुत ज्यादा प्रदूषण हो गया है और चेहरे को हमेशा साफ रखना चाहिए, पर इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आप हर घंटे ही अपना चेहरा धोते रहें। दिन में चेहरे को दो बार धोना चेहरे को साफ रखने के लिए पर्याप्त है।

बढ़ती है आपकी उम्र

चेहरे की त्वचा पर एक झुर्री या फाइन लाइन क्या दिखी, महिलाएं परेशान हो जाती हैं, क्योंकि हर कोई हमेशा जवां बना जो रहना चाहता है। लेकिन क्या आपको पता है कि हम रोजाना ऐसी बहुत-सी हरकतें या आदतें दोहराते हैं जिस वजह से हम बहुत हद तक खुद ही बुढ़ापे को न्योता देते हैं। आइए जानते हैं ऐसी ही छोटी पर महत्वपूर्ण आदतों के बारे में, जो आप और हममें होती हैं, जिसका खामियाजा हमारी त्वचा को उठाना पड़ता है।

वजन कम करने की चाहत

आजकल तो वजन कम करने का एक ट्रेंड ही चल पड़ा है। कई बार तो कुछ महिलाएं अपना वजन इतना ज्यादा कम कर लेती हैं कि बाद में उन्हें शरीर को सही रखने के लिए वजन बढ़ाना पड़ता है। ऐसा करने से त्वचा अपनी कसावट खो देती है। जिस वजह से त्वचा लटकती नजर आती है और उसका कसाव कम हो जाता है।

बहुत ज्यादा मुंह धोना

माना आजकल बहुत ज्यादा प्रदूषण हो गया है और चेहरे को हमेशा साफ रखना चाहिए, पर इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आप हर घंटे ही अपना चेहरा धोते रहें। दिन में चेहरे को दो बार धोना चेहरे को साफ रखने के लिए पर्याप्त है। एक बात का ध्यान रखें कि बार-बार चेहरे को धोने से चेहरे की त्वचा में मौजूद प्राकृतिक तेल खत्म हो जाता है और त्वचा अपने आप रूखी हो जाती है। जिससे रिंकल्स पड़ने की आशंका रहती है

स्ट्रॉ से पेय पदार्थ पीना

आप इसे फैशन मानें या फिर कुछ और, पर अधिकतर महिलाएं सॉफ्ट ड्रिंक्स आदि को पीने के लिए स्ट्रॉ का उपयोग ही करती हैं, पर स्ट्रॉ का उपयोग करते वक्त उन्हें यह बिल्कुल ख्याल नहीं रहता है कि ऐसा करने से होंठों के चारों ओर की त्वचा सिकुड़ जाती है और इससे होंठों के आसपास की त्वचा में झुर्रियों की आशंका होती है।

कॉन्टेक्ट लेंस पहनना

कॉन्टेक्ट लेंसेस का कॉन्सेप्ट उन लोगों के लिए आया था, जिनकी आंखों में बहुत ज्यादा पावर वाला चश्मा होता था, लेकिन आज मामला थोड़ा उल्टा है। आजकल बाजार में हर रंग के कॉन्टेक्ट लेंसेस मिलते हैं, जिन्हें अक्सर लड़कियां फैशन स्टेटमेंट के चलते कैरी करती हैं। हमेशा कॉन्टेक्ट लेंसेस का इस्तेमाल करने से आंखों को चोट भी पहुंच सकती है और आंखों के आसपास की त्वचा चूंकि नाजुक होती है तो झुर्रियां पड़ने की आशंका भी होती है।

आंखें चेक कराएं

यूं तो कायदे से साल में एक से दो बार आंखों का चेकअप कराना बहुत ही जरूरी है, पर अधिकतर महिलाएं ऐसा बिल्कुल नहीं करतीं। ऐसे में आंखों में भैंगापन की समस्या हो सकती है और इस कारण आपकी खूबसूरती भी जाती रहेगी और दोनों भौंहों के बीच झुर्रियों की समस्या भी हो सकती है, इसलिए समय पर नियमित रूप से चेकअप कराना बहुत फायदेमंद रहता है

ज्यादा ड्राइविंग से बचें

आपमें से अधिकतर महिलाएं ये सोचती होंगी कि कार में ड्राइविंग करते वक्त वो सूरज की अल्ट्रा वायलेट किरणों से बची रहती हैं।

उत्तर कोरिया ने दो बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया

वाशिंगटन । अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के संयुक्त सैन्य अभ्यास के बाद उत्तर कोरिया ने सोमवार को दो बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। इसके एक दिन पहले ही उ.कोरिया ने अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के हालिया संयुक्त सैन्य अभ्यास के जवाब में ''आक्रामक और जबरदस्त'' प्रतिक्रिया देने का संकल्प लिया था। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने कहा कि दोनों मिसाइल दक्षिण-पूर्वी उत्तर कोरिया के जांग्योन शहर से उत्तर-पूर्वी दिशा में 10 मिनट के अंतराल पर प्रक्षेपित की गईं। पहली मिसाइल ने 600 किलोमीटर (370 मील) और दूसरी मिसाइल ने 120 किलोमीटर (75 मील) की दूरी तय की, लेकिन यह नहीं बताया गया कि ये मिसाइल कहां गिरीं। उत्तर कोरिया आमतौर पर अपने पूर्वी जलक्षेत्र की ओर मिसाइल का परीक्षण करता है, लेकिन दूसरी मिसाइल द्वारा तय की गई दूरी इस जलक्षेत्र तक पहुंचने के लिए काफी नहीं थी। एक अज्ञात दक्षिण कोरियाई सैन्य सूत्र के हवाले से बताया कि इस बात की संभावना है कि दूसरी मिसाइल उत्तर कोरिया के अंदरूनी इलाके में गिरी हो। उ.कोरिया की जमीन पर संभावित नुकसान की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। खबरों में बताया गया कि पहली मिसाइल उत्तर कोरिया के पूर्वी शहर चोंगजिन के पास जलक्षेत्र में गिरी।

उत्तरी नाइजीरिया में आत्मघाती हमला.....18 लोगों की मौत

लंदन । उत्तरी नाइजीरिया में महिला आत्मघाती हमलावरों ने विवाह समारोह, अंतिम संस्कार कार्यक्रम और एक अस्पताल को निशाना बनाकर समन्वित हमले किए, इसमें 18 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य लोग घायल हो गए। बोर्नो राज्य में हुए इन हमलों की जिम्मेदारी अभी तक किसी ने नहीं ली है। यह राज्य बोको हराम के उग्रवाद से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। चरमपंथी समूह आत्मघाती बम विस्फोटों में पहले भी महिलाओं और लड़कियों का इस्तेमाल कर चुका है जिससे यह संदेह पैदा होता है कि इनमें से कुछ हमलावर उन स्कूली बच्चों सहित हजारों लोगों में से हैं जिन्हें आतंकवादियों ने पिछले कुछ सालों में अगवा किया है। उन्होंने बताया कि मृतकों में बच्चे और गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। कम से कम 30 अन्य घायल हुए हैं। नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला टीनुबू ने इन हमलों को आतंक की हताशाजनक हरकत बताया है। बोको हराम की एक शाखा इस्लामिक स्टेट समूह से संबद्ध है और यह नाइजीरिया में इस्लामिक राज्य स्थापित करना चाहता है। अधिकारियों ने शहर में कर्फ्यू लगा दिया है।

प्रेसिडेंशियल डिबेट में पिछड़े बाइडेन..... चिंतित इजराइल

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले होने वाले प्रेसिडेंशियल डिबेट में राष्ट्रपति बाइडेन की हालत ठीक नहीं दिखी। वे स्पष्ट तौर पर ट्रंप से पिछड़ते दिख रहे है। इसके बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों में हलचल होनी शुरू हो गई है। प्रेसिडेंशियल डिबेट में बाइडेन के खराब प्रदर्शन से इजरायल चिंतित है। इजरायल ने चिंता व्यक्त की है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन का बहस में खराब प्रदर्शन देश के दुश्मनों को बढ़ावा दे सकता है। इजरायल के राजनीतिक विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ईरान और उसके प्रतिनिधि बाइडेन की स्पष्ट कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। एक की रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल के कई अखबारों ने अपने पहले पन्ने पर बहस को छापा। बहस के दौरान, ट्रंप ने बाइडेन पर आरोप लगाया कि वे नहीं चाहते कि इजरायल गाजा में काम पूरा करे। ट्रंप ने बाइडेन को कमज़ोर कहा। ट्रंप यहीं नहीं रुके और बाइडेन को फिलिस्तीनी तक कह दिया। बाइडेन ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति चुने जाने की प्रक्रिया में दोनों प्रमुख पार्टियों डेमोक्रेटिक पार्टी और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों के बीच वोटिंग से छह हफ्ते पहले टीवी पर बहस होती है। चुनाव से पहले तीन बार बहस का आयोजन होता है, जहां मतदाताओं को उम्मीदवारों को परखने का मौका मिलता है। डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन के बीच दूसरी बहस 10 सितंबर को होगी।

कैदी से साथ महिला जेल अधिकारी का सेक्स वीडियो वायरल

लंदन । एक महिला जेल अधिकारी का एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें महिला अधिकारी एक कैदी के साथ जेल में संबंध बना रही है। यह वाकया साउथ वेस्ट लंदन स्थित जेल एचएमपी वांड्सवर्थ में हुआ। 30 वर्षीय महिला अधिकारी का नाम लिंडा डि सॉसा एब्रू है, जो कि पश्चिमी लंदन फुलहम की रहने वाली है। इस बीच पुलिस ने सेक्स वीडियो सामने आने के बाद जांच शुरू की। आरोप है कि वीडियो को जेल के अंदर शूट किया गया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दावा है कि वीडियो में महिला पहले फुल यूनिफॉर्म में दिखाती है। इसके बाद वह आपत्तिजनक हालात में दिखाई दे रही है। स्कॉटलैंड यार्ड के प्रवक्ता ने जांच की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि स्टाफ द्वारा भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि वीडियो में दिख रही जेल अधिकारी के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट की गई है। हालांकि उन्होंने मामले से जुड़ी अन्य जानकारियां देने से मना किया है। हाल ही में इस जेल का निरीक्षण हुआ था, जिसमें चौंकाने वाली चीजें सामने आई थीं। इसके मुताबिक जेल में अक्सर हिंसात्मक घटनाएं होती हैं। इसके अलावा स्टाफ भी बेहद कम है। इस जेल को कम कैदियों के लिए बनाया गया था, जबकि फिलहाल क्षमता से 163 फीसदी अधिक 1500 से ज्यादा कैदी बंद हैं।

मानव मल से बनेगा खाद....हर नागरिक अपने मल को एकत्रित करे, सनकी तानाशाह का आदेश

प्योंगयॉग । उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अपने बयानों और फैसलों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। किम जोंग अपने अजीबों गरीब आदेश के लिए चर्चा में रहते है। उन्होंने खाद संकट दूर करने के लिए खाद फैक्ट्रियों में 10 किलो सूखा मल जमा कराने का आदेश दिया है। यह काम देश के सभी नागरिकों को करना होगा। बात दें कि नॉर्थ कोरिया खाद संकट से जूझ रहा है, इसके बाद सनकी तानशाह ने पॉटी बटोरने का आदेश दिया है। किम जोंग ने उत्तर कोरियाई लोगों को अपना मल इकट्ठा करने को कहा है, ताकि फसलों के लिए खाद की कमी पूरा की जा सके। तानाशाह चाहता है कि हर नागरिक 10 किलोग्राम मल इकट्ठा करके करीबी खाद की फैक्टरी को दे। बता दें कि उ.कोरिया में आयात किए गए खाद की कमी है और किम जों उन की कृषि प्रथम पहल है, जिसके लिए गर्मी में मल का संग्रह शुरू किया गया है। हालांकि उत्तर कोरिया के लोग जो ऐसा नहीं करना चाहते वह कुछ पैसे खर्च कर इससे बच सकते हैं।

नाबालिग छात्र से शारीरिक संबंध बना रही 43 साल की टीचर को भेजा जेल

न्यूजर्सी। एक 43 साल की टीचर अपने छात्र के साथ सेक्स करते पकड़ी गई। जबकि टीचर का कहना है कि वो निर्दोष है। शिक्षिका पर आरोप है कि स्कूल में पढ़ने वाले एक मासूम के साथ उसने शारीरिक संबंध बनाए। महिला फ्रीहोल्ड इटरमीडिएट स्कूल में स्पेशल एजुकेशन टीचर है। प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक महिला का नाम एलीसन हैवमैन नीद्रैक है। जांच के मुताबिक एलीसन ने इसी साल के शुरुआत में स्टूडेंट का यौन शोषण शुरू किया था। हालांकि इस बात का पता कैसे चला यह बात प्रशासन ने नहीं बताई है। प्रशासन का कहना है कि अगर किसी को भी महिला टीचर की हरकतों के बारे में पता है तो वह आगे आए और उन्हें जानकारी दे। प्रशासन ने कहा, अगर किसी को भी एलिसन के बारे में जानकारी हो तो वह सूचना दें। लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक एलिसन फ्रीहोल्ड इंटरमीडिएट स्कूल में मार्च 2022 से पढ़ा रही हैं। 2008 से ही वह अलग-अलग स्कूलों में पढ़ा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ित स्टूडेंट की उम्र नहीं बताई गई है। हालांकि वह 6 से आठवीं कक्षा के बीच का स्टूडेंट हो सकता है। वहीं महिला टीचर को मॉनमाउथ काउंटी की जेल में रखा गया है। फिलहाल वह हिरासत में है। फिलहाल मामले की सुनवाई कोर्ट में नहीं हुई है। कोर्ट में ही फैसला होगा कि शिक्षिका को जेल में ही रहना होगा या फिर जमानत मिल जाएगी। वह खुद को बेहद गंभीर शिक्षिका बताती हैं और स्टूडेंट्स का अच्छा रिजल्ट लाने का दावा करती हैं। वहीं टीचर की वकील का कहना है कि वह निर्दोष हैं और फिलहाल ज्यादा कुछ बताने से इनकार किया है। बता दें कि दो दिन पहले ऐसी ही घटना अमेरिका के लुइसियाना से आई थी।

इंडोनेशिया में बाली आर्ट समारोह के दौरान डांसर केकक डांस करते हुए।

पीएम मोदी की रुस यात्रा से पहले रूस में जोर पकड़ रही हिंदुओं की मांग

मास्को। पीएम नरेंद्र मोदी 8 जुलाई को रूस पहुंच रहे हैं। इससे पहले ही हिंदू समुदाय ने मॉस्को में हिंदू मंदिर बनाए जाने की इच्छा जाहिर कर दी है। मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग में कई इस्कॉन मंदिर मौजूद हैं। हालांकि, ये मंदिर एक सादे भवन में हैं, जिसे भारतीय समुदाय बदलना चाहता है और मंदिर जैसी इमारत की मांग देश की सरकार के सामने रख दी है। खबरों के अनुसार, इंडियन बिजनेस अलायंस के अध्यक्ष स्वामी कोटवानी ने रूस की राजधानी मॉस्को में पहली हिंदू इमारत तैयार करने की इच्छा जाहिर की है। माना जाता है कि भारत के साथ मजबूत रिश्तों के चलते रूसी सरकार हिंदू मांगों को लेकर खासी गंभीर है। हालांकि, यहां पहले से ही हिंदू धर्म से जुड़े भवन और समुदायिक केंद्र मौजूद हैं। रूस दौरे पर पीएम मोदी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात करेंगे। खास बात है कि लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद मोदी का यह पहला विदेशी दौरा होगा। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम जारी होने के बाद पुतिन ने मोदी को फोन पर बधाई भी दी थी। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी इस पास स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं कर सकी थी, लेकिन एनडीए सरकार बनाने में सफल रही। दोनों नेता इस साल के अंत में रूस के कज़ान में आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा तब हो रही है जब रूस ने भारत के साथ एक रसद साझीदारी समझौते को मंजूरी दे दी है। दोनों पक्ष पिछले कुछ वर्षों से संयुक्त सैन्य तैनाती पर बातचीत कर रहे हैं, जो अनिवार्य रूप से एक पारस्परिक रसद विनिमय (आरईएलओएस) सौदा है। यह समझौता रूस और भारत के सैन्य संरचनाओं, युद्धपोतों और सैन्य विमानों के पारस्परिक रवानगी की प्रक्रिया पर है।

पहले दौर के चुनावों में मोदी के दोस्त मैक्रों को लगा झटका, धुर दक्षिणपंथी पार्टी की धमाकेदार जीत

लंदन (एजेंसी)। एग्जिट पोल से पता चला है कि मरीन ले पेन की दक्षिणपंथी नेशनल रैली (आरएन) पार्टी ने फ्रांस के संसदीय चुनाव के पहले दौर में ऐतिहासिक बढ़त हासिल कर ली है। लेकिन अंतिम परिणाम अगले सप्ताह के मतदान से पहले के दिनों पर निर्भर करेगा। इप्सोस, आईफॉप, ओपिनियनवे और एलाबे के एग्जिट पोल से पता चला कि आरएन को लगभग 34त्न वोट मिलते हुए देखा गया, यह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के लिए एक बड़ा झटका है जिन्होंने यूरोपीय संसद में आरएन द्वारा मिली हार के बाद आकस्मिक चुनाव का ऐलान कर दिया।

कुल वोट में आरएन का हिस्सा

वोट में आरएन का हिस्सा वामपंथी और मध्यमार्गी प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे था, जिसमें मैक्रॉन का ढुगेदर गठबंधन भी शामिल था, जिसका ब्लॉक 20.5त्न -23त्न जीतता हुआ देखा गया था। एग्जिट पोल से पता चला कि न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) को लगभग 29त्न वोट मिलने का अनुमान लगाया गया था। एग्ज़िट पोल चुनाव से पहले जनमत सर्वेक्षणों के अनुरूप थे, और ले पेन के समर्थकों ने खुशी जताई। हालाँकि, उन्होंने इस पर थोड़ी स्पष्टता प्रदान की कि क्या आप्रवासी विरोधी, यूरोसेप्टिक आरएन रन-ऑफ के बाद यूरोपीय संघ समर्थक मैक्रों के साथ सहयोग करने के लिए सरकार बनाने में सक्षम होंगे। फ्रांस में कई लोगों के लिए लंबे समय तक अछूत रही आरएन अब पहले की तुलना में सत्ता के करीब है।

चुनाव परिणाम संबंधी पूर्वानुमान के अनुसार, संसदीय चुनाव में 'नेशनल रैली' की जीत की संभावना है। देश में 4.95 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं जो फ्रांस की संसद के प्रभावशाली निचले सदन नेशनल असेंबली के 577 सदस्यों को चुनेंगे। मतदान बंद होने से तीन घंटे पहले 59 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह 2022 में हुए पहले दौर के मतदान से 20 प्रतिशत अधिक है।

गाजा में भारी बमबारी के बाद ईरान को भी इजरायल ने दी चेतावनी

-ईरान ने कहा- स्थिति बिगड़ी तो हम भी सभी विकल्पों का करेंगे इस्तेमाल

यरूशलेम (एजेंसी)। इजरायल गाजा में लगातार हमले कर रहा है जिसमें अब तक हजारों बेगुनाह लोगों की जान जा चुकी है। पिछले 24 घंटों में इजराइली हमले में 40 फलस्तीनी मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए हैं। इजरायल लगातार गाजा पट्टी में बमबारी कर रहा है। इजराइल की तरह की कार्रवाई का कई यूएन समेत कई देश विरोध कर रहे हैं लेकिन उसका इजराइल पर कोई असर नहीं हो रहा है।

इस बीच अब इजराइल ने ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के खात्मे की भी बात कही है। इजरायल के विदेश मंत्री कैट्ज ने कहा कि ईरान विनाशकारी युद्ध की बात कर रहा है, लेकिन ये संदेश उसे विनाश की ओर ले जाएगा। कैट्ज ने एक पोस्ट में कहा कि विनाश की धमकी देने वाली सरकार को खत्म कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर हिजबुल्लाह लेबनान से इजरायल पर गोलीबारी बंद नहीं करता और सीमा से दूर नहीं जाता तो इजरायल उसके खिलाफ भी कार्रवाई करेगा। ईरान के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने कहा कि अगर इजरायल लेबनान में सैन्य आक्रमण करता है, तो विनाशकारी युद्ध शुरू हो जाएगा। ईरान ने कहा कि अगर स्थिति बिगड़ी तो हम भी अपने सभी विकल्पों का इस्तेमाल करेंगे।

बता दें कि इजरायल और हमास युद्ध के बीच हिजबुल्लाह भी इजरायल पर हमले कर रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने इस सप्ताह कहा था कि वे स्थिति को हल करने के लिए कूटनीतिक रास्ता अपनाना पसंद करते हैं।

तुर्की में गैस संयंत्र में हुए धमाके में 5 मरे , कई घायल

इस्तांबुल (ईएमएस)। तुर्की में गैस संयंत्र में हुए धमाके में 5 लोगों की मौ हुई है जबकि 60 से अधिक घायल हैं। ये धमाका पश्चिमी प्रांत इजमिर में एक प्राकृतिक संयंत्र में हुआ। एक रिपोर्ट के अनुसार ये धमाका तोरबाली जिले में एक इमारत में स्थित एक संयंत्र में हुआ। घायलों में से कम से कम 10 की हालत गंभीर है। इजमिर के गवर्नर सुलेमान एल्बान ने कहा कि इस विस्फोट से आसपास की 11 इमारतों को भी नुकसान हुआ है। वहीं न्याय मंत्री यिलमाज़ टुनक ने कहा है कि धमाके की जांच शुरु कर दी गयी है और इसमें दोषियों को कड़ी सजा दी जाएगी।

गाने सुन रहे शख्स से खफा हुआ किम जोंग, सरेआम दे दी मौत की सजा

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के तानाशाह ने एक बार फिर अपनी सनक के चलते एक युवक की जान ले ली। 22 साल के युवक को सरेआम मौत के घाट उतार दिया गया। उसका गुनाह सिर्फ यह था कि वह पड़ोसी देश साउथ कोरिया के गाने सुन रहा था। उस पर आरोप था कि उसने के-पॉप संगीत और फिल्में देखकर उत्तर कोरिया के कानून को तोड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण ह्वांगी प्रांत के रहने वाले शख्स को दक्षिण कोरिया के 70 गाने सुनने और तीन फिल्में देखने का गुनहगार बताया गया और उसको मौत की सजा दे दी गई। रिपोर्ट में उत्तर कोरिया के ही लोगों को कोट किया गया। एक शख्स ने कहा, आखिर हम ऐसा जीवन क्यों जी रहे हैं। उत्तर कोरिया में जीने से अच्छा तो मर जाना है। जानकारी के मुताबिक उत्तर कोरिया में अधिकारी अकसर किसी का भी फोन चेक करते हैं और पता करते हैं उसमें किस तरह का संगीत है। रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर कोरिया में दुल्हनों का सफेद ड्रेस पहनना, दूल्हे का दुल्हन का साथ ले जाना, धूप का चश्मा लगाना या फिर शराब पीने के लिए कांच का गिलास इस्तेमाल करना भी अपराध है और इसके लिए कड़ी सजा दी जाती है।

उत्तर कोरिया में रियक्शनरी आइडियोलॉजी ऐंड कल्चर कानून 2020 के तहत यह अपराध है। पूर्व शासक किम जोंग इल के शासनकाल में ही दक्षिण कोरियाई संगीत पर बैन लगाया गया था। वहीं कि जोंग उन के शासन में कानून और कठोर कर दिए गए। के-पॉप और के-ड्रामा दक्षिण कोरियाई फिल्मों और संगीत का एक रूप हैं जिन्हें दुनियाभर में पसंद किया जाता है। पहले की रिपोर्ट्स में भी दावा किया गया है कि खान-पान और पहनावे को लेकर भी उत्तर कोरिया में बेहद कड़े कानून हैं। यहां कोई भी शख्स चिपकी हुई जींस नहीं पहन सकता है। इसके अलावा हर तरह की हेयर स्टाइल नहीं कर सकता है। ऐसी टीशर्ट नहीं पहन सकता जिसपर विदेशी भाषा में कुछ भी लिखा हो। जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया के लोगों को दक्षिण कोरिया की संस्कृति पसंद आती है लेकिन तानाशाह किम् जोंग उन इसे अपनी सत्ता के लिए चुनौती मांगता है। इसीलिए उसने कड़े कानून बना रखे हैं।

नेपाल में सियासी भूचाल, देउबा और ओली मिला सकते हैं हाथ!

-प्रचंड को पद से हटाकर सत्ता अपने हाथ में लेने की तैयारी

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में प्रधानमंत्री पुष्प कमल दल प्रचंड और सरकार पर खतरा मंडरा रहा है। नेपाली कांग्रेस और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी के नेताओं के बीच बंद कमरे में हुई बैठक के बाद सियासत तेज हो गई है। माना जा रहा है कि संसद की दो सबसे बड़ी पार्टियां प्रचंड को सत्ता से हटाकर सरकार का नेतृत्व अपने हाथ में लेने की तैयारी में है।

चार महीने पहले ही केपी शर्मा ओली की सीपीएन-यूएमएल सत्ताधारी गठबंधन में शामिल हुई थी। प्रचंड ने इसी साल मार्च में पाला बदलते हुए शेर बहादुर देउबा की नेपाली कांग्रेस से गठबंधन तोड़कर ओली से हाथ मिलाया था। देउबा और ओली के बीच बैठक यूएमएल प्रमुख ओली के सरकार द्वारा पेश बजट की सार्वजनिक आलोचना के कुछ सप्ताह बाद हुई है। उन्होंने इसे माओवादी बजट कहा था। इस बैठक में क्या बात हुई, इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिल सकी है। ओली ने कहा है कि देश को मौजूदा हालात में नहीं चलाया जा सकता है।

मीडिया रिपोर्ट में नेपाली कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के हवाले से बताया कि दोनों नेताओं ने निष्क्रिय संघवाद और चुनाव प्रणाली की समीक्षा करने और जरूरी बदलावों के बारे में व्यापक समझ बनाने पर सहमति बन गई है। दोनों पक्ष मौजूदा सदन के बाकी बचे 32 महीने के लिए गठबंधन का नेतृत्व करने पर सहमत हो गए हैं, लेकिन पहले आधे समय में कौन नेतृत्व करेगा, इस पर बातचीत चल रही है।

इस बीच प्रधानमंत्री प्रचंड ने रविवार को ओली के साथ एक बैठक की। इसमें उप प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्ट के प्रमुख रबी लाबिछाने भी शामिल हुए। उनके बारे में अटकले लगाई जा रही है कि वे सत्तारूढ़ गठबंधन से बाहर निकलने पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है दोनों पूर्व प्रधानमंत्रियों ने राष्ट्रीय राजनीति, दशकों से पुरानी अधूरी संक्रमणकालीन न्याय प्रक्रिया और अन्य राष्ट्रीय मुद्दों को हल करने के लिए संभावित सहयोग जैसे मुद्दों पर गंभीर चर्चा की।

पाकिस्तान-अमेरिका ने मिलकर भारत के साथ खेला गंदा खेल! कर दिया होश उड़ाने वाला दावा

कीव (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत को लेकर ऐसा दावा किया है जिसने कई देशों में बवाल खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान के इस झूठे दावे को दुनियाभर में फैलाने के लिए अमेरिका ने भी पूरी ताकत लगा दी है। यानी ये साफ हो चुका है कि अमेरिका और पाकिस्तान दोनों मिले हुए हैं। तभी तो एक ही समय पर पाकिस्तान और अमेरिका की तरफ से भारत की खुफिया एजेंसी पर एक जैसे झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। पाकिस्तान ने सबसे पहले बयान दिया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बलूच लिबरेशन आर्मी जैसे संगठन भारत की खुफिया एजेंसी रॉ से पैसा ले रहे हैं। ये दोनों संगठन भारत से मदद ले रहे हैं। पाकिस्तान ने जैसे ही ये बेबुनियाद आरोप लगाया उसके तुरंत बाद अमेरिका ने सोशल मीडिया पर एक बयान वायरल करवाना शुरू कर दिया।

बयान में अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए की एक अधिकारी बोल रही है कि भारत तालिबान की मदद से पाकिस्तान में बैठे आतंकियों को मरवा रहा है। यानी पाकिस्तान और अमेरिका दोनों आरोप लगा रहे हैं कि भारत दूसरे देशों में आतंकियों की हत्याएं करवा रहा है। कई एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये बात तो सच है कि पिछले एक साल में कनाडा, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, नेपाल और ब्रिटेन में कई आतंकी मारे गए हैं। इनमें से ज्यादातर वो आतंकी मारे गए हैं जो कभी न कभी भारत पर हमला करते रहे हैं। लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि इन हत्याओं का आरोप भारत पर लगाना बिल्कुल गलत है।

भारत ने सभी आरोपों से इनकार किया है। लेकिन प्रत्येक मामले में उसकी प्रतिक्रियाएँ गुणात्मक रूप से भिन्न रही हैं और उन्हें व्यापक नीतिगत स्थिति और वर्तमान रणनीतिक अनिवार्यताओं को प्रतिबिंबित करने के रूप में देखा जा सकता है। कनाडा के मामले में सख्त रुख अपनाते हुए ट्रूडो के आरोपों को बेतुका और राजनीति से प्रेरित बताकर खारिज कर दिया है। इसके साथ ही कनाडा की सरकार पर आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाया है।

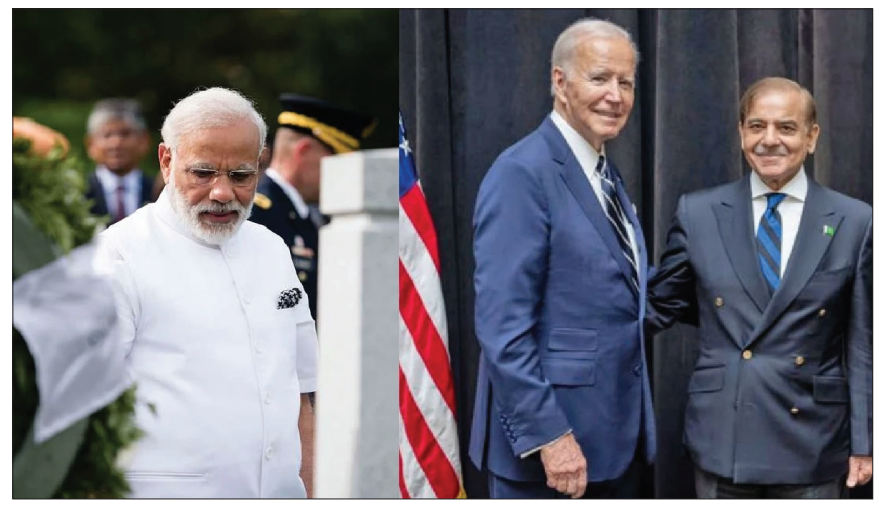

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केंदीय बजटः 10 लाख से अधिक इनकम वालों को मिल सकती है राहत

नई दिल्ली। (एजेंसी)

बीते दो हफ्तों के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले विशेषज्ञों और प्रमुख औद्योगिक संगठनों के लोगों की बैठकें हुई हैं। आने वाले दिनों में कुछ और संगठनों के साथ वित्त मंत्री की बैठक होनी है।

अभी तक जहां कृषि, सेवा, ग्रीन एनर्जी, ऊर्जा, उत्पादन और औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़ी जरूरतों को लोगों ने प्रमुखता से उठाते हुए करों में राहत देने की मांग की है। जुलाई में पेश होने वाले आम बजट से काफी उम्मीदें की जा रही हैं।

माना जा रहा है कि सरकार कुछ बड़े फैसले ले सकती है। सरकार 10 लाख से ऊपर की सालाना आय वाले लोगों के लिए भी टैक्स रिजीम में बदलाव पर विचार कर रही है, जिसकी मांग नौकरीपेशा वर्ग से जुड़े लोगों की तरफ से लगातार की जा रही है। वैसे भी इस बार प्रबल संभावना है कि आम बजट नौकरीपेशा, युवा, महिला, निम्न और मध्य आय वर्ग के लोगों पर केंद्रित होगा।

बताया जा रहा है कि कुछ विशेषज्ञों ने यह भी तर्क रखा कि सरकार करों के मामलों में बाकी क्षेत्रों में लाभ देती आ रही है लेकिन व्यक्तिगत श्रेणी आयकर भरने वाले निम्न और मध्य आयवर्ग को कोई बड़ी राहत नहीं मिली है, जिसकी वो लंबे समय से मांग कर रहे हैं।

फरवरी में अंतरिम बजट में सरकार ने मौजूदा घरेलू कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर को 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत कर दिया गया था। वहीं, कुछ विशेष नई विनिर्माण कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर को घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया। इसलिए लोगों की मांग है कि आयकर में भी लोगों को राहत मिले।

वहीं नौकरीपेशा लोगों के लिए आयकर स्लैब में बदलाव करने की भी मांग रखी है। इसके पीछे तर्क दिया गया है कि नौकरीपेशा लोगों पर आयकर बोझ काफी ज्यादा है। अगर पुरानी व्यवस्था (ओल्ड रिजीम) से देखा जाए तो 10 लाख से ऊपर की सालाना आय पर 30 प्रतिशत आयकर देना होता है। नई व्यवस्था सात लाख से ऊपर की आय पर आयकर देना होता है, लेकिन यहां पर अगर सात लाख से ऊपर की सालाना आय है तो फिर छह से नौ लाख पर 10 प्रतिशत और नौ से 12 लाख तक की सालाना आय पर 15 प्रतिशत आयकर भरना होता है जो मौजूदा समय में व्यवहारिक नहीं है। क्योंकि महंगाई के साथ लोगों के खर्च भी बढ़े हैं, जिस कारण से लोगों की बचत प्रभावित हुई है। इसलिए 10 लाख से ऊपर की आय वाले लोगों आयकर में छूट चाहते हैं। सरकार के पास इस बार अच्छा मौका है। लगातार कर संग्रह बढ़ रहा है और आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले भी बढ़ रहे हैं। इसलिए सभी को उम्मीद है कि 10 लाख से ऊपर की सालाना पर कर को 30 से घटाकर 25 फीसदी किया जाए। पुरानी व्यवस्था में रिटर्न भरते हैं तो 20 प्रतिशत के बाद सीधे 30 प्रतिशत टैक्स का स्लैब है, जो व्यवहारिक नहीं है।

तीन नए कानून कट, कॉपी और पेस्ट हैं, कुछ बदलाव असंवैधानिक

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने की केंद्र सरकार की आलोचना

नई दिल्ली। (एजेंसी)

आज से पूरे देश में भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) लागू हो कर दिए गए हैं। जिसको लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने के बीच केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने अपने एक्स पर लिखा- आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस एक्ट की जगह लेने वाले तीन नए आपराधिक कानून आज से लागू हो गए हैं। 90-99 फीसदी तथाकथित नए कानून कट, कॉपी और पेस्ट हैं, जो मौजूदा तीन कानूनों में कुछ संशोधनों के साथ पूरे किए जा सकता थे, लेकिन इसे एक बेकार की प्रक्रिया में बदला गया है। हां, नए कानूनों में कुछ सुधार लाए गए हैं और हमने उनका स्वागत किया है। इन्हें संशोधन के रूप में पेश किया जा सकता था।

उन्होंने आगे लिखा-दूसरी ओर कई खराब प्रावधान भी हैं। कुछ बदलाव असंवैधानिक हैं। जो सांसद स्थायी समिति के सदस्य थे, उन्होंने प्रावधानों पर विचार किया और तीनों विधेयकों पर विस्तृत असहमति नोट लिखे हैं। सरकार ने असहमति पत्रों में आलोचनाओं का कोई खंडन नहीं किया या जवाब नहीं दिया और संसद में कोई सार्थक बहस भी नहीं की। कानून के विद्वानों, बार एसोसिएशनों, न्यायाधीशों और वकीलों ने कई लेखों और सेमिनारों में तीन नए कानूनों में कमियों की ओर इशारा किया है। सरकार ने किसी के भी सवालों का जवाब देना सही नहीं समझा। चिदंबरम ने आगे लिखा कि मौजूदा कानूनों को खत्म करने और उनके स्थान पर बिना चर्चा और बहस के तीन नए विधेयक लाने का मामला आपराधिक न्याय प्रशासन को अस्त-व्यस्त करने वाला होगा। तीनों कानूनों को संविधान और आपराधिक न्यायशास्त्र के आधुनिक सिद्धांतों के अनुरूप लाने के लिए उनमें और बदलाव होने चाहिए।

उपचुनावः सांसद पप्पू यादव से मिलने पहुंची बीमा भारती, मांगी मदद

-बीमा परिवार की सदस्य है, समर्थन देने पर जल्द लेंगे फैसला

पूर्णिया। लोकसभा चुनाव के दौरान एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में उतरने वाले पूर्णिया क्षेत्र के दो नेताओं के बीच अब दुरियां कम हो रही है। रूपौली विधानसभा चुनाव में समर्थन हासिल करने के लिए राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रत्याशी बीमा भारती ने पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद सियासी समीकरण बदलने की उम्मीद है। सांसद पप्पू यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बीमा भारती चुनाव में मदद मांगने आईं थीं। यादव ने कहा कि रूपौली विधानसभा उपचुनाव में समर्थन देने के मुद्दे पर वो अभी कांग्रेस नेतृत्व से बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीमा भारती भी परिवार की सदस्य है, बेटी समान हैं। समर्थन के मसले पर जल्द ही निर्णय ले लेंगे। रूपौली विधानसभा उपचुनाव के लिए 10 जुलाई को मतदान होना है और 13 जुलाई को परिणाम घोषित होंगे। उपचुनाव के लिए 14 से 21 जून तक नामांकन दाखिल किए गए थे। 26 जून को नाम वापस लेने की अंतिम तिथि खत्म होने के बाद यहां तीन उम्मीदवारों मैदान में बचे हैं। उपचुनाव में आरजेडी की बीमा भारती, जेडीयू के कलाधर मंडल और निर्दलीय शंकर सिंह के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है।

रूपौली विधानसभा सीट से बीमा भारती ही विधायक थीं। बीमा भारती ने जेडीयू टिकट पर जीत हासिल की थीं, लेकिन लोकसभा चुनाव के पहले बीमा ने जेडीयू छोड़कर आरजेडी टिकट पर पूर्णिया सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा लेकिन बीमा भारती को हार का सामना करना पड़ा। पूर्णिया में निर्दलीय प्रत्याशी पप्पू यादव को जीत मिली थी। बीमा भारती बाहुबली अवधेश मंडल की पत्नी हैं। 2000 में वो निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव जीतीं थीं। उसके बाद एक चुनाव को छोड़कर सभी चुनावों में उनको जीत हासिल हुई।

फर्जी कॉल सेंटर मामले में छह और आरोपी गिरफ्तार, विदेशी भी शामिल

61 लड़के-लड़कियों को मुचलके पर छोड़ा, 12 मुख्य आरोपी गए जेल

नोएडा। (एजेंसी)

यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले के नोएडा पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर छह और लोगों को गिरफ्तार किया है, इस मामले में अब तक 79 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर 90 में भूटानी एंथम बिल्डिंग से संचालित कॉल सेंटर का शनिवार को पुलिस ने पर्दाफाश किया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को छह और लोगों की गिरफ्तार किया है और उनके पास से 45 लाख रुपए नकद जब्त किए हैं। इससे एक दिन पहले सेक्टर-142 थाने में धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक साजिश रचने पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस के मुताबिक फर्जी कॉल सेंटर में काम करने वाले अधिकांश लड़के-लड़कियां नागालैंड के रहने वाले हैं। ये लोग नोएडा और गाजियाबाद में किराये के मकान में रहते थे। यह सभी अंग्रेजी बोलते थे। अमेरिकी लोगों से अंग्रेजी में बात कर वह उन्हें फंसाते और ठगी की वारदात को अंजाम देते थे। एडीसीपी सेंट्रल नोएडा हिरदेश कठेरिया ने बताया कि पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर छापा मारकर फर्जी कॉल सेंटर का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों में से 61 लड़के-लड़कियों को निजी मुचलके पर छोड़ दिया गया है, जबकि 12 मुख्य आरोपियों को जेल भेज दिया है। पकड़े

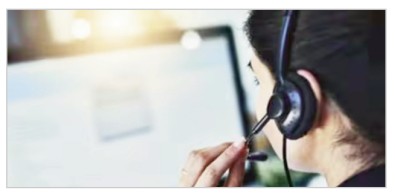

गए युवकों की पहचान विशाल शर्मा निवासी शामली, अजय कुमार निवासी महोबा, गोविंद निवासी गाजियाबाद, हुविका, जेम्स, क्ले उर्फ यामपीचा, माइक उर्फ नेकटोन, विकाटो, केबिन उर्फ हिका ये सभी नागालैंड के रहने वाले हैं। वहीं जित्तू हजोंग मेघालय का रहने वाला है। मुख्य आरोपी सौरभ और बंटी समेत चार आरोपी अभी भी पुलिस गिरफ्त में नहीं आए हैं।

बिजली विभाग का कारनामा, मजदूर को थमाया 31 लाख का बिल

काट दी लाइन, झोपड़ी में जलते हैं दो पंखे और तीन बल्ब

मुजफ्फरपुर। (एजेंसी)

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से बिजली विभाग का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां बिजली विभाग ने झोपड़ी में रहने वाले एक मजदूर को 31 लाख का बिल थमा दिया जिसे देखकर मजदूर और उसके परिवार के होश उड़ गए। जानकारी के मुताबिक यह मामला पियर थाना क्षेत्र के सिमरा पंचायत के वार्ड नंबर-9 का बताया गया है। यहां के एक मजूदर को बिजली विभाग ने 31 लाख रुपए का बिल थमा दिया है। हैरानी की बात ये है कि ये बिजली बिल मात्र दो महीने का है। विभाग ने बिल जमा नहीं करने के कारण बिजली भी काट दी। पीड़ित शुभलाल सहनी ने बताया कि उसे बिजली विभाग ने 31 लाख रुपए का बिल भेजा है और बिजली कनेक्शन उसकी पत्नी फूला देवी के नाम पर है और ये करीब दो महीने पहले विभाग ने पुराना मीटर निकालकर स्मार्ट मीटर लगाया था। इसके कुछ दिन बाद तक घर में बिजली आती रही। बाद में बिजली आनी बंद हो गई। शुभलाल ने बताया है कि 20 जून को 400 रुपए से रिचार्ज करने के बाद भी जब बिजली आपूर्ति नहीं हुई तो बिजली विभाग में जाकर बताया तो पता चला कि उनका करीब 31 लाख रुपए का बिल बकाया है। मजदूर शुभलाल ने बताया कि उसकी झोपड़ी में दो पंखे और तीन बिजली बल्ब का जलते है। दो महीना पहले करीब 2600 रुपए का बिजली बिल बकाया था अब ये फिर आखिर इतना बिल कैसे हो गया यह समझ में नहीं आ रहा है। वहीं इस पूरे मामले में जानकारी के बाद बिजली विभाग के जूनियर इलेक्ट्रिकल इंजीनियर अभिषेक रंजन ने बताया कि गड़बड़ी की शिकायत मिली है। एक मजदूर से लिखित आवेदन मांगा गया है और इस मामले की जांच करवाई जा रही है।

सूखी नदी में पर्यटकों ने कर दी गाड़ियां पार्क, तेज बारिश में बही

उत्तराखंड में तेज बारिश की चेतावनी, रेस्क्यू टीम अलर्ट

खारा। (एजेंसी)

उत्तराखंड में कभी तेज तो कभी हल्की बारिश हो रही है। यहां का मौसम खुशनुमा बना हुआ है। लोग यहां घूमने भी आ रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में तीन जुलाई तक तेज बारिश की चेतावनी दी है। चेतावनी के बाद रेस्क्यू टीम अलर्ट पर हैं। इस बीच पिछले पांच दिनों में प्रदेश के दो प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थलों ऋषिकेश और हरिद्वार में बारिश के बाद कुछ गाड़ियों के बहने और मलबे में फंसने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा हैं, जिस पर तरह तरह की चर्चाएं की जा रही हैं। वीडियो को देखने के बाद कई पर्यटकों ने अपने प्लान बदल दिए हैं। पहाड़ों में तेज बारिश सूखे बरसती नाले पानी से भर जाते हैं। मैदानी क्षेत्रों में जब पानी का बहाव बढ़ता है तो वह खतरनाक साबित होते हैं। 26 जून को ऋषिकेश के खारा क्षेत्र में कुछ ऐसा ही हुआ। पहाड़ों में तेज बारिश के बाद छोटी-छोटी नदियां मैदान की और बढ़ीं और ऋषिकेश के खारा में पानी का सैलाब आगया। इस पानी के सैलाब में करीब दो दर्जन कार और बाइक पानी के बहाव में तिनके की तरह बहने लगीं और कीचड़ में फंस गईं।

वहीं 29 जून को हरिद्वार में खड़खड़ी शे मशान घाट के पास सूखी नदी में अचानक पानी का सैलाब आया। इस नदी में करीब छह गाड़ियां पानी में बह कर गंगा में समा गईं। ऋषिकेश और हरिद्वार इन दोनों जगहों पर उत्तराखंड की आपदा से निपटने के लिए एलडीआरएफ का रोल सराहनीय रहा। एलडीआरएफ टीम ने ऋषिकेश में मलबे में फंसी गाड़ियों को बाहर निकाला। वहीं रविवार शाम तक गंगा नदी में से चार गाड़ियां बाहर निकाली गई। एलडीआरएफ मुताबिक बरसात में पहाड़ और मैदान दोनों जगह लोगों को बरसाती नदी-नालों से दूर रहना चाहिए। ऋषिकेश और हरिद्वार में चंद पैसा बचाने के लिए स्थानीय लोग और पर्यटक पार्किंग में गाड़ी खड़ी न करके सूखी नदी में गाड़ियां पार्क कर कर देते हैं इसीलिए वह अचानक पानी आने से बह गईं।

राहुल गांधी ने दिखाई शिवजी की तस्वीर, लोकसभा स्पीकर ने टोका

-नेता प्रतिपक्ष बोले-हिंदू धर्म में साफ लिखा है, सच का साथ देना

नई दिल्ली। (एजेंसी)

सोमवार लोकसभा में हंगामा देखने को मिला। सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बोलना शुरू किया। अपने भाषण में राहुल गांधी ने भगवान शिव की तस्वीर दिखाई, जिसके चलते लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने नियम पुस्तिका दिखा दी। राहुल ने कहा कि मैं अपने भाषण की शुरुआत अपने बीजेपी और आरएसएस के दोस्तों को हमारे आइडिया के बारे में बताने से कर रहा हूं, जिसका इस्तेमाल हम संविधान की रक्षा करने के लिए करते हैं।

राहुल गांधी के भाषण पर आपत्ति जताते हुए स्पीकर बिरला ने कहा कि नियमों के मुताबिक तख्तियां दिखाने की अनुमति नहीं है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि संविधान, भारत के विचार और बीजेपी द्वारा प्रस्तावित विचारों का विरोध करने वाले लाखों लोगों पर एक व्यवस्थित हमला किया गया है। इसी बीच राहुल ने पीएम मोदी पर भी निशाना साधा और कहा कि मैं बायोलॉजिकल हूं लेकिन पीएम मो दी बायोलॉजिकल नहीं हैं। राहुल जब भाषण दे रहे थे, तब स्पीकर बिरला ने किसी बात पर उन्हें टोका। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने शिवजी की फोटो दिखाई और आप गुस्सा हो गए। राहुल गांधी ने आगे कहा कि हिंदुस्तान ने कभी किसी पर हमला नहीं किया। इसका कारण है। हिंदुस्तान अहिंसा का देश है, यह डरता नहीं है। हमारे महापुरुषों ने यह संदेश दिया-डरो मत, डराओ मत। शिवजी कहते हैं-डरो मत, डराओ मत और त्रिशूल को जमीन में गाड़ देते हैं। दूसरी तरफ जो लोग अपने आपको हिंदू कहते हैं वे 24 घंटे हिंसा-हिंसा-हिंसा और नफरत-नफरत-नफरत करते हैं। आप हिंदू हो ही नहीं. हिंदू धर्म में साफ लिखा है, सच का साथ देना चाहिए। राहुल गांधी ने भगवान शिव को अपने लिए प्रेरणा बताते हुए कहा कि उनसे विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष की प्रेरणा मिली। उनके बाएं हाथ में त्रिशूल का मतलब अहिंसा है। हमने सच

की रक्षा की है बिना किसी हिंसा के। उन्होंने ये भी आरोप लगाया कि उन पर फर्जी मुकदमे लगाए हैं। ईडी ने मुझसे पूछताछ की, अफसर भी हैरान थे। इंडिया ब्लॉक के नेताओं को जेल में डाल दिया गया। ओबीसी-एससी-एसटी की बात करने वालों पर मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी कहते हैं कि महात्मा गांधी मर चुके हैं और गांधी को एक फिल्म के ज़रिए फिर से ज़िंदा किया गया है। क्या आप इस अज्ञानता को समझ सकते हैं? एक और बात जो मैंने देखी है वह यह कि सिर्फ़ एक धर्म ही साहस की बात नहीं करता। सभी धर्म साहस की बात करते हैं।

राहुल गांधी का आरोप अग्निवीर यूज एंड थ्रो मजदूर, शाह और राजनाथ का पलटवार

नई दिल्ली।

तीखी नोकझोंक और हंगामे ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी के पहले भाषण को परिभाषित किया, क्योंकि राहुल गांधी ने तथाकथित हिंसक हिंदुओं पर निशाना साधने से पहले भगवान शिव का पोस्टर फाड़ दिया था।

राहुल गांधी की टिप्पणी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तत्काल पलटवार किया, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने माफी की मांग की।

इस बीच राहुल गांधी ने अग्निवीर की शहादत का जिक्र कर कहा कि मोदी उन्हें शहीद नहीं कहते। उसके परिजनों को पेंशन नहीं मिलेगी।

आम जवान को पेंशन मिलेगी, केंद्र सरकार उसकी मदद करेगी लेकिन अग्निवीर को जवान नहीं कह सकते है। अग्निवीर यूज एंड थ्रो मजदूर है।

राहुल गांधी ने कहा कि आप जवान और जवान के बीच में फूट डालते हो और फिर अपने आपको देशभक्त कहते हो।

राहुल गांधी के बयान पर पलटवार कर राजनाथ सिंह ने कहा कि सरहद पर अगर कोई अग्निवीर मारा जाता है, तब उसके परिवार को एक करोड़ रुपये मिलता है।

इस पर राहुल गांधी ने कहा कि सच्चाई क्या है, ये अग्निवीर जानता है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि इसका सत्यापन होना चाहिए और अगर वह साबित नहीं करते हैं, तब सदन और देश से इसकी माफी मांगनी चाहिए। इस पर राहुल गांधी ने अग्निवीर को लेकर जानकारी सदन पटल पर रखने की बात कही।

वहीं, राहुल गांधी ने कहा कि पूरा देश जानता है कि ये सेना की स्कीम है। सेना जानती है कि ये स्कीम सेना की नहीं, पीएम का ब्रेन चाइल्ड है।

इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ ने आपत्ति जताकर राहुल गांधी के बयान को सदन की कार्रवाई से हटने की मांग की।

संक्षिप्त समाचार

पेपर लीक को लेकर लोगों में चिंता व आक्रोश, जल्द हो स्थाई समाधानः मायावती

लखनऊ।

बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने कहा कि नीट यूजी और पीजी परीक्षाओं को लेकर जो अनिश्चितता बनी हुई है, इसका जल्द स्थाई समाधान होना चाहिए। मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि देश में समय-समय पर होने वाली कई प्रमुख परीक्षाओं की शुचिता के साथ ही वर्तमान में नीट-यूजी और पीजी परीक्षाओं को लेकर जो अनिश्चितता बनी है उससे लोगों में चिन्ता और आक्रोश फैला है। इसका जल्द ही स्थाई समाधान करना ज़रूरी है। उन्होंने आगे लिखा राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं बल्कि यूपी समेत सभी राज्यों में आयोजित होने वाली परीक्षाओं में पेपर लीक और सरकारी भर्तियों में भ्रष्टाचार का मामला भी बहुत गंभीर और चिंता का विषय है। इन समस्याओं के प्रति किसी प्रकार की सरकारी लापरवाही या राजनीति सही नहीं है। इसे रोकने के लिए सख़्त कदम उठाने की जरुरत है। बता दें नीट यूजी 2024 की परीक्षा पांच मई को हुई थी, जिसमें करीब 24 लाख छात्र शामिल हुए थे। परिणाम चार जून को घोषित किए गए, लेकिन इसके बाद अनियमितताओं के अलावा पेपर लीक के आरोप लगे। इस मुद्दे पर सीबीआई की जांच से लेकर स्पेशल कमेटी बनाने तक हरसंभव कार्रवाई की गई है। शिक्षा मंत्रालय ने इसके बाद 18 जून को आयोजित यूजीसी नेट परीक्षाओं को रद्द कर दिया। इसे लेकर विपक्ष लगातार हंगामा कर रहा है। नीट परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर संसद में राहुल गांधी इस मुद्दे पर चर्चा की मांग कर चुके हैं।

तीन नए आपराधिक कानून को डिंपल ने बताया, शिकंजा कसने की तैयारी

लखनऊ ।

देशभर में तीन नए आपराधिक कानून लागू होने के बाद समाजवादी पार्टी सांसद डिंपल यादव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इन तीनों कानूनों को देशवासियों पर शिकंजा कसने की तैयारी बताया है। डिंपल ने कहा है कि यह कानून गलत तरीके से संसद में पास किए गए है। इन कानूनों पर कोई भी चर्चा नहीं की गई है। नए कानून में अगर कोई विदेशों में भी अपने अधिकारों को लेकर विरोध करता है, तब उन पर भी ये कानून लागू होगा। बता दें कि सोमवार उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में तीन नए आपराधिक कानून लागू हो गए है। इसमें भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 शामिल हैं। इन नए कानूनों में महिलाओं और बच्चों का खास ध्यान रखा गया है। उनके खिलाफ होने वाले अपराधों के मामलों में सख्त सजा देने का प्रावधान है। आपराधिक प्रक्रिया तय करने वाले तीन नए कानूनों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए एफआईआर से लेकर फैसले तक को समय सीमा में बांधा गया है।

मनीष तिवारी बोले, नये कानूनों की फिर समीक्षा करे संसद

देश को पुलिस स्टेट में बदलने का प्रयास कर रही केन्द्र सरकार

नई दिल्ली ।

कांग्रेस नेता और सांसद मनीष तिवारी ने कहा है कि भाजपा गठबंधन वाली केन्द्र सरकार देश को पुलिस स्टेट में बदलना चाहती है। इसलिए उसने नए आपराधिक कानूनों को लागू किया है। तिवारी ने कहा कि संसद को इन नए आपराधिक कानूनों की एक बार फिर समीक्षा करनी चाहिये। साथ ही कहा कि ऐसा नहीं होने पर देश को नुकसान उठाना पड़ेगा क्योंकि पुलिस स्टेट में राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक जीवन पर सरकार का पूरी तरह से नियंत्रण हो जाता है। मनीष ने सोशल मीडिया पर कहा, ''इन आपराधिक कानूनों से भारत को एक प्रकार से पुलिस स्टेट में बदलन का प्रयास चल रहा है।''साथ ही कहा कि इसे रोका जाना जरुरी है। इसलिए संसद को इसी एक बार फिर समीक्षा करनी चाहिए। वहीं केन्द्र सरकार के अनुसार देश में सोमवार से तीन नए आपराधिक कानून लागू हो गए, जिससे भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में काफी बदलाव आएंगे। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023 आज से पूरे देश में प्रभावी हो गयी हैं। इसके साथ ही अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम समाप्त हो जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तापी नदी में पानी आने से

कॉजवे का स्तर ६ मीटर पहुंचते ही कॉजवे वाहन व्यवहार के लिए बंद किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, दक्षिण गुजरात में मेघमेहर देखने को मिल रहा है. सूरत जिले में पिछले ३ दिनों से भारी बारिश हो रही है. सूरत शहर में जारी बारिश से वियर कम कॉजवे, जहां तापी नदी बहती है, वह भी उफान पर आ गया. जिसके चलते वाहन यातायात के लिए बंद कर दिया गया.

तापी नदी में नये पानी के आगमन से दोनों किनारों पर बहते पानी के दृश्य दिखाई दे रहे है. मानों कॉजवे का मनोरम दृश्य देखने को मिल रहा हो. जैसे ही कॉजवे का स्तर ६ मीटर तक पहुंच गया, तंत्र द्वारा तुरंत बंद करने का निर्णय लिया गया. तापी नदी के बढ़ते जल स्तर के कारण एहतियात के तौर पर कॉजवे को वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दिया गया है. सीजन में पहली बार कॉजवे बंद कर दिया गया. जलस्तर कम होने के बाद ही कॉजवे शुरूकिया जाएगा.

कॉजवे अडाजण रांदेर से सिंगणपोर तक का सबसे व्यस्त मार्ग है. यहां से प्रतिदिन हजारों वाहन चालक गुजरते है. सुबह से ही कॉजवे बंद होने से वाहन चालक परेशान हुए. वाहन चला रहे कई लोगों को पता ही नहीं चला कि कॉजवे बंद कर दिया गया है. एक ओर जहां चौक बाजार से होकर सिंगणपोर जाना मुश्किल हो रहा है. क्योंकि, मेट्रो का काम चलने के कारण रास्ता बंद है. अधिकांश वाहन चालकों को दाभोली चार रास्ता और जहांगीरपुरा को जोड़ने वाले पुल का उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ा.

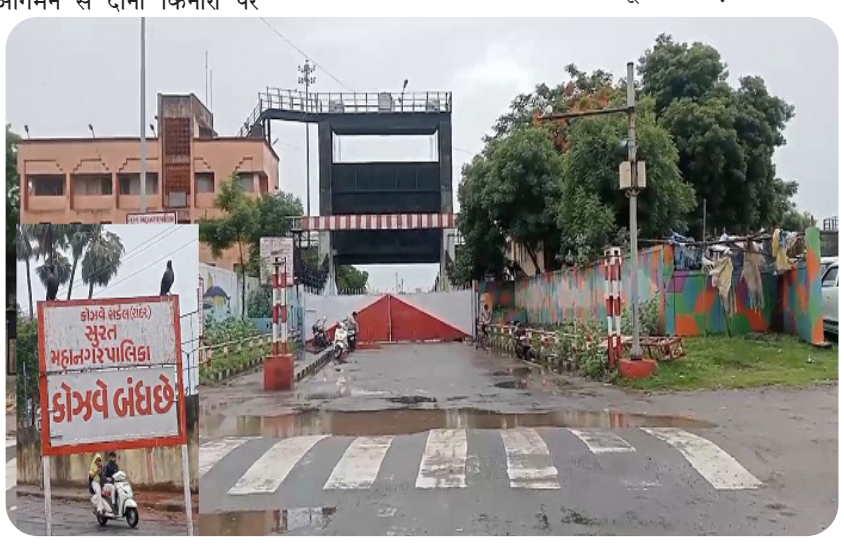

चालू बारिश में सड़क पर बोलेरो के

पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सूरत में एक युवक की बोलेरो पिकअप गाड़ी पर खतरनाक सवारी का वीडियो वायरल हुआ था. जिसे लेकर भेस्तान पुलिस ने जांच शुरूकी और इस घटना में दो लोगों को गिरफ्तार किया है. युवकों के पकड़े जाने के बाद दोनों ने माफी मांगी.

सोशल मीडिया पर वायरल विडियो में एक युवक सफेद रंग की बोलेरो पिकअप के बोनट पर बैठा हुआ था. साथ ही एक अन्य युवक गाड़ी चला रहा था. यह वीडियो भेस्तान इलाके का होने की बात सामने आई. जिसके बाद भेस्तान पुलिस ने पूरे मामले की जांच की. भेस्तान पुलिस ने इस घटना में ड्राइवर का काम करने वाले ३२ वर्षीय शाहरुख सफी शेख और २५ वर्षीय अनिल राजाराम कांबले को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की. थोड़ी सी लापरवाही भी इस युवक पर भारी पड़ सकती थी. हालांकि, यह वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की. इस बीच इन दोनों युवकों ने माफी भी मांगी. लोगों से इस तरह के खतरनाक वीडियो न बनाने की भी अपील की गई.

फुल स्पीड में चलते समय ड्राइवर ने खोया नियंत्रण,५ घायल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, वराछा इलाके में देर रात एक एसटी बस डिवाइडर में घुसकर पलट गई. हादसे के बाद यात्रियों से भरी बस पलट गई और चिल्लाहट मच गई. कुछ यात्री घायल हो गए और उन्हें स्मीमेर अस्पताल ले जाया गया. गौरतलब है कि इस बस के ड्राइवर के भी नशे में होने की चर्चा है. फिलहाल इस मामले में पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा चुकी है.

जानकारी के मुताबिक, वापी से आ रही एसटी बस रविवार रात सूरत से दाहोद जा रही थी. इसी दौरान किरण हॉस्पिटल से अलकापुरी ब्रिज पार कर नीचे उतरते समय बस पूरी स्पीड में थी. इसी दौरान बस चालक ने स्टेयरिंग से नियंत्रण खो दिया और बस सड़क के बीचो बीच डिवाइडर पर चढ़ गई. बस डिवाइडर से ५ से १० फीट ऊपर चली गई. अचानक हुए इस हादसे से बस में सवार यात्रियों में चिल्लाहट मच गई. बस में सवार कुछ यात्री भी घायल हो गए. उन्हें तुरंत स्मीमेर अस्पताल ले जाया गया. कोई भी यात्री गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ. बताया जा रहा है कि बस ड्राइवर नशे में था. हालांकि पुलिस द्वारा मामले की आगे की जांच की जा रही है. देर रात एसटी बस हादसा होने पर सूरत के मेयर दक्षेश मवानी भी घटनास्थल पर पहुंचे. इसके साथ ही उन्होंने घायल यात्रियों से भी बातचीत की.

घायलों के नाम

मधुबेन बजरंग परमार (उम्र ४५, निवासी हालोल दाहोद)
किंजल आकाश राठौड़ (उम्र २७, निवासी हालोल)
हिना नेवास कायल (उम्र ४४, निवासी सेलवास)
वीर सिंह धूलियाभाई पणरा (उम्र ४५, निवासी हालोल दाहोद)
रमन भूराभाई रागजी (उम्र ३८, निवासी दाहोद)

न्यू सिविल अस्पताल में नर्सिंग एसोसिएशन ने मनाया 'राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस', उपस्थित डॉक्टरों को किया गया सम्मानित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, न्यू सिविल अस्पताल में सोमवार को नर्सिंग एसोसिएशन द्वारा 'राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस' के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में २०० से अधिक सिविल डॉक्टरों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया. नर्सिंग काउंसिल के इकबाल कड़ीवाला ने इस अवसर पर कहा कि 'राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस' उन डॉक्टरों की सेवा और समर्पण का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है, जो जन्म से पहले और जन्म के बाद बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य का ख्याल रखते हैं. उन्होंने कहा कि सफेद एप्रन पहनने वाले डॉक्टर मानव जाति के लिए वरदान हैं, जिन्होंने कोरोना महामारी के दौरान अपने दृढ़ विश्वास से पूरी दुनिया को बचाया.आगे कहा कि दक्षिण गुजरात का सबसे बड़ा न्यू सिविल अस्पताल लोगों के स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रख रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि सभी जरूरतमंद लोगों को डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं. उन्होंने मरीज और डॉक्टर के बीच आपसी संबंधों पर भी बात करते हुए कहा कि डॉक्टर की एक मुस्कान मरीज के लिए दवा से भी ज्यादा कारगर होती है. उन्होंने कोरोना महामारी, रेल और प्लेग जैसी आपदाओं के दौरान मानव जीवन को बचाने वाले डॉक्टरों की सेवाओं की भी सराहना की.

इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रीति कपाड़िया, आर.एम.ओ. डॉ. केतन नायक, शासकीय मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. रागिनी वर्मा, अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. धारीत्री परमार, टी.बी. छाती विभाग की प्रमुख डॉ. पारूल वडगामा, डॉ. के.एन. भट्ट, मेडिसिन विभाग के डॉ. हरि मेमन, हड्डी विभाग के डॉ. गुणवंत परमार, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. पूर्वी देसाई, दंत चिकित्सा विभाग के डॉ. जिगिशा पाटडिया, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. बिनोदिनी महेंद्रसिंह चौहान, शारीरिक चिकित्सा विभाग के डॉ. कमलेश दवे और डॉ. अश्विन वसावा, और मनोचिकित्सा विभाग की डॉ. रितुंभरा मेहता सहित सभी विभागों के रेजिडेंट डॉक्टरों को सम्मानित किया. इस कार्यक्रम में स्थानीय एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्विन पंड्या, सिविल अस्पताल के नीलेश लाठिया सहित सिविल डॉक्टर, मुखिया और कर्मचारी उपस्थित थे.

उधना रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर दो-तीन की जमीन धसी,

तत्काल मरम्मत शुरूकिया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, मानसून शुरू होते ही उधना रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो-तीन पर जमीन का एक हिस्सा धस गया. कुछ जगहों पर एक से डेढ़ फीट तक ज्जमिन धसी दिखी. कुछ समय पहले स्टेशन विकास के तहत प्लेटफार्म नंबर दो और तीन को बंद करने के बाद फिर संचालित किया गया था. दोनों चबूतरों के कुछ हिस्सों को तोड़कर दोबारा बनाया गया था. लेकिन काम ठीक तरीके से नही होने से पहले ही बारिश में प्लेटफॉर्म का कुछ हिस्सा धंस गया. जब तंत्र को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने अधिकारियों को सूचित किया की कई जगहों पर जमीन का हिस्सा धस गया है, तो कई जगहों पर दरारे आई है. प्लेटफार्म को नुकसान होने की जानकारी मिलते ही रेलवे अधिकारी तुरंत दौड़ पड़े. ठेकेदार के साथ मिल कर तुरंत मरम्मत कार्य शुरूकराया गया. प्लेटफार्म संख्या दो-तीन पर ट्रेनों का आवागमन अधिक होने के कारण प्लेटफार्म को बंद नहीं किया गया. यात्रियों की आवाजाही के बीच मरम्मत का काम किया गया. यहां बता दें कि कुछ समय पहले उधना रेलवे स्टेशन के विकास के तहत दोनों प्लेटफॉर्म को ९० दिनों के लिए बंद किया गया था.

लिंबायत में स्टेट मॉनिटरिंग सेल की रेड में शराब की बोतले जब्त कर

तीन आरोपी को वांछित घोषित किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत में स्थानीय पुलिस सो रही हो और स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम शराब की भारी मात्रा पकड़ रही हो ऐसी अनेक घटनाएं सामने आती रहती है. एक बार फिर स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम ने लिंबायत इलाके में १२०० से ज्यादा शराब की बोतलें जब्त कर कानूनी कार्रवाई की है. साथ ही तीन आरोपियों को वांछित घोषित किया है. स्टेट मॉनिटरिंग सेल टीम की कार्रवाई को लेकर स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे है. क्या स्थानीय पुलिस के नजर में ये शराब के अड्डे नही आते है या स्थानीय पुलिस के आँखों के निचे से ये सब हो रहा है?

स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम ने लिंबायत इलाके में रतन चौक के पास छापा मारकर १२५२ बोतल शराब जब्त की. पुलिस ने दो वाहनों को जब्त किया है. इसी के साथ कुल १,८९,००० मूल्य की धनराशि जब्त कर पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है. पुलिस ने शराब की मात्रा के मामले में तीन आरोपियों को वांछित घोषित किया है. जिसमें लिंबायत के मुन्ना लंगड़ा(मुख्य आरोपी) को वांछित घोषित किया गया है.

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की गाड़ी अचानक ही सड़क पर हवाई जहाज की तरह आगे से ऊपर उठ गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, पिछले दो दिनों से शहर में मेघमेहर देखी जा रही है. इसी बीच शहर में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण टेंपो जो कतारगाम-अमरोली तापी ब्रिज के पास से गुजर रहा था. टेंपो बीच रोड में आगे से ऊपर उठ गया. सामने आया कि टेंपो के पिछले हिस्से में कूड़ा अधिक मात्रा में भरा होने के कारण यह घटना घटी. टेंपो चालक टेंपो को उसी हालत में छोड़कर भाग निकला. हालांकि, सौभाग्य से इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ. इस घटना का वीडियो भी सामने आया. विडियो में पाया गया की रोड से गुजर रहा टेंपो अचानक ही बीच रोड में ऊपर से उठ गया. अनुमान लगाया जा रहा है कि टेंपो ओवरलोड होने के कारण आगे से ऊपर उठा. अचानक बीच रोड में टेंपो ऊपर उठने के कारण अन्य गुजर रहे वाहनों को परेशानी हुई. उधर, टेंपो चालक टेंपो को उसी हालत में छोड़कर चला गया.